श्री विट्ठल

नामदेव पत्रिका

त्रैमासिक

अक्टूबर-दिसम्बर 2019

संत बाल नामदेव

बाबा नामदेव महाराज

प्रकाशक : अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत-शत नमन !

जन्मतिथि :
01 मई 1928

वैकुण्ठवासः
24 दिसम्बर 2019

स्व. श्रीमान भंवर लाल जी जेठानिया

संरक्षक - श्री नामदेव छीपा समाज आम मेवाड़ महासभा सेवा संस्थान
निवासी - पुर, भीलवाड़ा (राज.)

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम श्रद्धेय ! पूज्यनीय, आपका प्रेरणामयी व्यक्तित्व सामाजिक प्रतिबद्धता, स्नेहशीलता, कर्मठता, सकारात्मकता, विनम्रता, धर्मपरायणता, सहजता, सहृदयता, निष्ठा एवं नैतिकता, जैसे मानवीय गुण सदैव हमें शक्ति, संबल एवं मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे। हम सभी परिवार जन परमपिता परमेश्वर से आपकी पुण्यात्मा को चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हुए अश्रुपूरित श्रृद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत -

सोहनलाल - श्रीमती बादाम देवी (भ्राता-वधु), दिनेश कुमार - बबीता, राजेश कुमार - सुशीला (पुत्र-पुत्रवधु), गौरव-सोनू, अंकित-राजनन्दिनी (पौत्र-पौत्रवधु), मानस (प्रपौत्र), संतोष-शरद कुमार जी दोसाया, गीता-कैलाशचंद जी मालीवाल (पुत्री-दामाद), नम्रता-अशोक जी कांकरवाल, अर्चना-अशोक जी गंगवाल, आयुषी-गोविन्द जी बंदीवाल (पौत्री-दामाद) एवं समस्त जेठानिया परिवार, पुर - भीलवाड़ा

निवास : ई-6, बसंत विहार, भीलवाड़ा (राज.) मो. 9413979101, 9001821420

पंजीयन संख्या 38303/83
वर्ष : 39 अंक : 1
अक्टूबर -दिसम्बर 2019

प्रधान संपादक
घनश्याम वर्मा (मेड़तवाल)
KR-77, सिविल लाइंस, कोटा
Mob. 94133-64741 W.A.

कार्यवाहक प्रबंध संपादक
श्रीमती शांति पाटौदी

कार्यवाहक सह प्रबंध संपादक
जगदीश श्रेष्ठी
M. 9829036524

कार्यवाहक कोषाध्यक्ष
रामचरण आमेरिया
M. 8875275437

❖ विज्ञापन दर ❖

अन्तिम कवर (बाहर-बहुरंगी)	5000/-
अन्तिम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
प्रथम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
वैवाहिकी पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	3000/-
सामान्य पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	2500/-
सामान्य आधा पृष्ठ (बहुरंगी)	1500/-
सामान्य पूरा पृष्ठ B/W	1000/-
सामान्य आधा पृष्ठ B/W	500/-

दिनांक : अप्रैल 2012 से प्रभावी

❖ सदस्यता शुल्क ❖
- संरक्षक सदस्य 1000/-
- साधारण सदस्य 500/-

पत्राचार का पता
एवं प्रकाशन कार्यालय
संत नामदेव आई.टी.आई.
प्लाट नं. 1, सेक्टर-1, महावीर नगर
विस्तार योजना, कोटा-9 (राज.)

❖ मुद्रक ❖
प्रिन्ट शॉप
रामपुरा, कोटा ☎ 2380156

श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका

(अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा का त्रैमासिक प्रकाशन)

Website : www.santnamdevchhipasamaj.com
E-mail : v.namdevpatrika@gmail.com
f.b. : https://facebook.com/abnamdevchhipasamaj

विषयानुक्रमणिका

1.	संपादकीय	– घनश्याम वर्मा	2
2.	अभंग	– संत नामदेव	3
3.	छीपा समाज की भारत को देन....	– कालू लाल जड़िया	4
4.	भक्त नामदेव : जीवन और चिन्तन	– साभार	5–6
5.	स्वतंत्रता सेनानी–श्री गजानंद वर्मा	– घनश्याम वर्मा	7–9
6.	हमारा सांस्कृतिक त्यौहार बसंत पंचमी	– वृद्धिचन्द गोठवाल	10
7.	खत्म हो जाएगा कैंसर....	– डॉ. ओ.पी. वर्मा	11–12
8.	वृद्धजनों के लिए उपयोगी संदेश	– किशन सिंह राजपूत	13–14
9.	हे विट्ठल हम शरण तुम्हारे...कविता	– रामगोपाल नामा	14
10.	तबला वादन के फनकार–प्रमोद नामा	– घनश्याम वर्मा	15
11.	मेवाड़ के युग पुरूष – श्री भंवर लाल	– घनश्याम वर्मा	16
12.	वैवाहिकी : सम्बन्ध योग्य युवक	– संकलन	17–18
13.	वैवाहिकी : सम्बन्ध योग्य युवतियाँ	– संकलन	19–20
14.	संस्था समाचार – विविध स्थानों से	– संकलन	21–39
15.	शोक समाचार–विविध स्थानों से	– संकलन	40

आवश्यक सूचना

● श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका का बैंक खाता संख्या 08370100003069 बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटा की झालावाड़ रोड़ स्थित शाखा में खुला हुआ है, जो ऑन लाईन है। ● इस बैंक शाखा का IFSC CODE- BARB0KOTRAJ है। ● अतः कोई भी व्यक्ति / सदस्य / प्रतिनिधि / विज्ञापनदाता पत्रिका से सम्बद्ध राशि ड्राफ्ट से भेजने की बजाए बैंक ऑफ बड़ौदा कोटा की झालावाड़ रोड़ स्थित शाखा में ऑनलाईन भी जमा करवा सकते है। ● पत्रिका खाते में जमा राशि की बैंक स्लिप ई-मेल करें अथवा पत्राचार के पते पर भिजवावें, ताकि रसीद प्रेषित की जा सकें। ● सभी प्रकार के ड्राफ्ट 'श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका कोटा', के नाम से सम्बोधित किये जावें। ● कृपया चैक नहीं भिजवाये।

– प्रधान सम्पादक

नववर्ष 2020 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

सम्पादकीय

'समाज में सोशल मीडिया की लक्ष्मण रेखा जरुरी'

वैसे हर बात की अति बहुत बुरी होती है, लेकिन ज्ञान, अज्ञान और गलत ज्ञान इन तीन बातों की अति इंसान को लगभग विक्षिप्त सा बना देती है। यदि आपके पास ज्ञान ठीक हो तो दुर्गुण जीवन में प्रवेश नहीं कर पायेंगे। अज्ञान की स्थिति में दुर्गुण निकट आ जाते हैं, पर गलत ज्ञान हो तब तो दुर्गुण पक्का प्रवेश कर ही लेंगे। सामान्य रूप से काम, क्रोध, लोभ और मद ये चार दुर्गुण मनुष्य को बहुत सताते हैं। अब इन चारों का नया रूप देखिए, जिसमें इंसान बावला हो गया है। इन दिनों मनोविज्ञान की दुनिया में सोशल मीडिया को लेकर चिंता जताई जा रही है, जो गलत भी नहीं है। फिक्र इसलिए है कि जिस सोशल मीडिया का उपयोग संचार के त्वरित माध्यम के रूप में आरंभ हुआ था, उसका अब जबर्दस्त दुरूपयोग होने लग गया है। लोग बिना सोचे समझे आदर्श वाक्य बांट रहे हैं। बहुत छोटी-छोटी बातों तथा व्यक्तिगत संदेशों को वाट्सअप समूहों के माध्यम से प्रसारित कर दूसरों का भी कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

देश के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. प्रणव मुखर्जी ने 25 अगस्त 2019 को कलकत्ता में आयोजित एक मीडिया पुरस्कार समारोह में सोशल मीडिया के दुष्परिणामों पर चिन्ता व्यक्त करते हुए इसके इस्तेमाल के प्रति सचेत रहने की आवश्यता बताई थी। साथ ही उन्होंने प्रिन्ट मीडिया को अधिक विश्वसनीय संचार माध्यम भी बताया था।

सोशल मीडिया के दुष्परिणामों पर देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी चिन्ता व्यक्त की है। माननीय दो न्यायाधीशों की पीठ ने सितम्बर 2019 में एक मुकदमें की सुनवाई के दौरान सोशल मीडिया को **एके-47** जैसा खतरनाक बताते हुए इस संचार तकनीक के भयानक रूप लेने पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने केन्द्र को यह निर्देश दिया था कि वह ऑनलाईन निजता और राज्य की संप्रभुता के हितों को संतुलित करके सोशल मीडिया के दुरूपयोग को रोकने के लिए दिशा निर्देश तैयार करे। जस्टिस दीपक गुप्ता ने तो यहां तक कह दिया था कि-वह अपना स्मार्ट फोन बन्द करके साधारण फोन लेने की सोच रहे हैं।

सोशल मीडिया का ज्यादा उपयोग किशोरों को बीमार बना रहा है। युवाओं में सोशल मीडिया प्लेट फार्म जैसे यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर पर लगातार एक्टिव रहना उनका रूटीन बन गया है। इससे उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। अमेरिका के एक विश्वविद्यालय की शोध रिपोर्ट के मुताबिक 3 से ज्यादा घंटे तक सोशल मीडिया पर समय बिताने वालों में अन्य की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार जैसे अवसाद, चिंता, अकेलापन, आक्रामकता या असामाजिक व्यवहार की आशंका बढ़ जाती है। सोशल मीडिया पर चिपके रहने वालों में अनिद्रा की समस्या भी हो जाती है। वाशिंगटन पोस्ट समाचार पत्र की एक न्यूज के अनुसार 12 से 15 वर्ष के किशोर-किशोरियां सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा समय बिताते हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

निश्चित रूप से हमारे नामदेव समाज में भी सोशल मीडिया का पूर्ण दुरूपयोग हो रहा है। इसका उपयोग करने वाले यूजर्स इसके उपयोग और दुरूपयोग से भली प्रकार वाकिफ भी हो चुके हैं। हमारे दैनिक जीवन, रिश्तों, कार्य क्षमता तथा बच्चों की पढ़ाई पर इसका ज्यादा असर हो रहा है। हमारे बच्चों और किशोर तथा युवाओं का ज्यादा समय मोबाइल को देखने में व्यतीत हो रहा है। युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो रही है। इस माध्यम से हम अच्छा-बुरा, सुखद-दुखद, झूंठा-सच्चा, शिष्ट-अशिष्ट, सम्मानजनक-अपमानजनक तथा किसी भी प्रकार का संदेश डालकर सेकण्डों में पूरे समाज, प्रान्त और देशभर में वायरल कर रहे हैं।

अत: आवश्यकता इस बात की है कि **सोशल मीडिया के लिए कोई न कोई लक्ष्मण रेखा अवश्य ही होनी चाहिए,** समाज में दूषित होते जा रहे वातावरण को रोकना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी एवं सामाजिक कर्त्तव्य होना चाहिए। अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम सोशल मीडिया की न्यूज या किसी भी कन्टेन्ट पर विश्वास करना ही बन्द कर देगें और इस अति आधुनिक बहुद्देशीय संचार माध्यम को सिर्फ टेलीफोन की तरह ही काम लेना उचित समझेगें।

❑❑

(घनश्याम वर्मा)
प्रधान सम्पादक

जन में जनार्दन

पंढरीचा बाल चंद्रभागे स्नान।
आरणीक दर्शन विठोबाचें ॥1॥
हेंवि मज घड़ी जनमजन्मांतरीं।
मर श्री हरी नाहीं दुजें ॥2॥
मुखीं सदा नाम संतावें दर्शन।
जनीं जनार्दन ऐसा भाव ॥3॥
मामा म्हणे नित्य तुझे महाद्वारीं।
कीर्तन मजरीं सप्रेमाचें ॥4॥

भावार्थ :- हे श्री हरि, मुझे जन्मजन्मान्तर में पंढरपुर में चंद्रभागा का स्नान और श्री विट्ठल के दर्शनों की प्राप्ति हो। इनके अतिरिक्त मैं और कुछ नहीं चाहता। मुख से सदा भगवान के नाम की रट लगे। सतों के दर्शन हों, और जन में जनार्दन का भाव बसे। नामदेव कहते हैं आपके महाद्वार में नित्य बड़े प्रेम से कीर्तन की गुहार लगाया करूँ।

❖❖❖

अमृताहुनी गोड नाम तुझें देवा।
जब माझे केशवा कां पा नेथे ॥ ॥
सांग पंढरिराया काया करूं यासी।
कां रूप व्यानासी न ये तुझे ॥2॥
वैसतां निद्रै नागवलीलें।
मन आवें ग विषय सुखा ॥3॥
हरिदास गर्जती हरिनामाथ्था कीर्ति।
लगे मास्या बिलीं नामा म्हणे ॥4॥

भावार्थ :- हे केशव! आपका नाम अमृत से भी मधुर है, परन्तु मेरा मन जाने क्यों उसकी रट नहीं लगाता ? ध्यान करूँ तो आपका रूप आँखों के सामने नहीं आता। कीर्तन में बैठूँ तो नींद सताती है। मन विषय के आनंद के चिंतन में लीन हो जाता है। हरि के भक्त हरि के नाम का गुण-गान करते हैं, परंतु मेरे हृदय पर उसका कोई प्रभाव नहीं होता। हे पंढरीनाथ! आप ही बताइये। इसका मैं क्या उपाय करूँ ?

❑❑

प्रेम रूप दूध

बिटेवरी उभा दीनांचा कैवारी।
भेटाया उभारी तोन्ही बाहया ॥1॥
गुण दोष त्याचे न पाहेवि डोव्ठा।
भेटे बेव्ठोदेव्ठा केशिराज ॥2॥
ऐसा दयावन्त वेत समाचार।
लहान आणि घोर संभालितो ॥3॥
सर्वांलागी दे तो समान दरशन।
उभा तो आपण समपायी ॥4॥
नामो म्हाणे तया संतांची आवडी।
भेटावया कडाडी उभाचि असे ॥5॥

भावार्थ :- दीनों के समर्थ केशव भक्तों से मिलने के लिये दोनों हाथ पसारे ईंट पर खड़े हैं। वह भक्तों के गुण दोषों का विचार नहीं करते और उनसे बार-बार भेंट करते हैं। वह ऐसे दयावान है कि भक्तों की पूछताछ कर छोटे बड़े सबकी रक्षा करते है। वह पाँव जोडे खड़े है और सबको समान ही दर्शन देते है। नामदेव कहते है। उन्हें सन्तों से प्रेम है और वह सन्तों को कस कर आलिंगन करने के लिये प्रस्तुत हैं।

❖❖❖

तूं माझी माडली मी वो तुझा तान्हा।
पाजी प्रेम पान्हा पांडुरंगे ॥1॥
नूं माझी गाउली ओ तुझे वासरूं।
नको पान्ह्य चोरूं पांडुरंगे ॥2॥
तूं माझी हरिणी भी तुणे पाडंस।
चारा घाली मज पांडुरंगे ॥3॥
नामा म्हणे होसी भक्तीचा वल्लभ।
आगे पुढें उभा सांभाकिशी ॥4॥

भावार्थ :- हे पांडुरंग तुम मेरी माता हो। मैं तुम्हारा नन्हा बालक हूँ। मुझे प्रेम रूप दूध पिलाओ। तुम मेरी गाय हो, मैं तुम्हारा बछड़ा हूँ। तुम दूध न चुराओ। तुम मेरी हिरनी हो। मैं तुम्हारा शावक हूँ। तुम मेरा भव-बन्धन काटो। तुम मरी पक्षिणी हो। मैं तुम्हारा अण्डज हूँ। तुम मुझे चुगाओ। नामदेव कहते हैं। तुम भक्ति के स्वामी हो, और भक्तों की सब प्रकार से रक्षा करते हो।

❑❑

छीपा समाज की भारत को देन-सामूहिक विवाह सम्मेलन

समाज में आर्थिक विषमता, भौतिक संसाधनों का अभाव, बिखरती-टुटती संयुक्त परिवार प्रथा, दूर होते सामाजिक रिश्तों ने समानता, मितव्ययता एवं बचत को ध्यान में रखकर समाज में सामूहिक विवाह सम्मेलन प्रथा का प्रचलन हुआ। परिवार के मुखिया के समक्ष अपने विवाह योग्य बच्चों की शादी करना, योग्य वर-वधु की तलाश करने जैसी समस्या भी प्रमुख थी। वर्तमान समय में घर पर अपने बच्चों का विवाह करना जहां एक और आर्थिक रूप से घटते संसाधन, खर्चीली शादियां, बढ़चढ़ कर दिखावा करना, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई और अपने अहंकार एवं समाज में बड़ा दिखाने की भावना ने अल्प और मध्यम आय वर्ग के परिवार वालों के लिये व्यक्तिगत रूप से घर से विवाह करना मुश्किल कार्य बना दिया है।

प्रारम्भ में सामाजिक हित की सोच रखने वाले बन्धुओं द्वारा अपने स्तर पर आर्थिक सहयोग प्रदान कर समाज के असहाय व निर्धन परिवार वालों के पुत्र-पुत्रियों का विवाह एक ही स्थान पर सामुहिक तौर पर करने की प्रथा का विवरण मिलता है, किन्तु सामाजिक तौर पर किसी जाति समाज द्वारा तत्कालीन समय में सामुहिक शादियां करने का विवरण कहीं देखने व सुनने को नहीं मिलता है। सामाजिक तौर पर सर्व प्रथम श्री नामदेव छीपा समाज द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन जैसा क्रान्तिकारी कदम उठाया गया और हाड़ौती संभाग के समाज रत्न श्रीमान् दौलतराम मैड़तवाल व उनके सहयोगी कार्यकर्ताओं ने अपने- अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह 19 नवम्बर 1969 को देवोत्थान एकादशी पर राजस्थान के कोटा शहर में सात (7) जोड़ों का विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलन से कर समाज के समक्ष आदर्श मिसाल प्रस्तुत की। यह प्रथा समाज को संगठित कर एकता के सूत्र में बांधने के उद्देश्य के साथ-साथ मितव्ययता, समानता, समरसता व सामूहिकता के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रही। वर्तमान युग में सामूहिक विवाह की परम्परा समाज की महत्ती आवश्यकता बन गई। बचाया गया धन अपने बच्चों की उच्च शिक्षा पर समाज खर्च करने लगा है। इससे समाज की आर्थिक सुदृढ़ता व सम्पन्नता भी बढ़ी है। प्रति वर्ष राजस्थान के कई शहरों व नगरों में बड़े ही उत्साह के साथ समाज के सामूहिक सम्मेलनों का आयोजन होने लगा है और नौजवान युवक-युवतियां इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादियां करने को तैयार होने लगे है।

इस प्रथा की अच्छाईयों की सुंगध समाज की सीमा तक ही नहीं वरन् दूर-दूर तक फैलती गई और पूरे भारतवर्ष में उच्च समाजों यथा राजपूत, माहेश्वरी, ब्राह्मण तथा अन्य धनाढ्य जाति वर्गों द्वारा भी सामूहिक विवाह सम्मेलन किये जाने लगे। यही नहीं केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों द्वारा भी इस प्रथा को प्रोत्साहित करने के लिये जोड़ों को तथा उसकी आयोजन समितियों को आर्थिक सहयोग भी दिया जाने लगा है। वर्तमान युग में यह आयोजन केवल समाज विशेष तक ही सीमित नहीं रहा, वरन् अब तो सामाजिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से सर्व समाजों के सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाने लगा है।

निश्चित रूप में सामूहिक विवाह सम्मेलन प्रथा श्री नामदेव छीपा समाज की बहुत बड़ी देन है। वर्तमान युग में समाज में सामुहिक विवाह सम्मेलनों की आर्थिक, सामाजिक तथा संगठनात्मक एकता की दृष्टि से महत्ती आवश्यकता है, जिन्हें हमारी सामाजिक संस्थाओं द्वारा मितव्ययतापूर्वक आयोजित करना ही चाहिए।

- कालू लाल जड़िया
चित्तौड़गढ़

❑❑

भक्त नामदेव : जीवन और चिन्तन

श्री गुरू ग्रंथ साहिब की रचना भारत के धार्मिक साहित्य में अपना विलक्षण और अद्वितीय स्थान रखती है। इस ग्रंथ में विभिन्न प्रांतों, कालों, भाषाओं, बोलियों, जाति, धर्म, वर्ण और वर्ग के माने जाने वाले महापुरूषों की बाणी तथा विचारों को साम्यता के आधार पर सम्मिलित किया गया है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब संसार का एक मात्र ऐसा धर्म ग्रंथ है, जिसमें अपने धर्म के संस्थापकों के अतिरिक्त अन्य धर्मों के महानुभावों की बाणी को भी स्थान प्राप्त है। यह कार्य स्वयं गुरू साहिबान ने किया। जिन भक्तों की बाणी को इस महान ग्रंथ में स्थान प्राप्त है, उनमें भक्त नामदेव जी का नाम विशेष उल्लेखनीय है।

भक्त शिरोमणि नामदेव जी की कीर्ति सिर्फ महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि समस्त भारत में फैली हुई है। उन्होंने मनुष्य मात्र के कल्याण और समस्त समाज के उद्धार के लिए अपनी बाणी का सृजन किया। उन्होंने जीवों को प्रेमा भक्ति के ऐसे मार्ग पर प्रशस्त करने का प्रयास किया जो सीधा और आसान था। उनकी बतलायी राह प्रेम की राह है, जिसमें कर्मकांडों और संकीर्णता को कोई स्थान प्राप्त नहीं है और जो समूह मानवों के कल्याण को ही आदर्श मानता है। इस प्रकार भक्त, प्रचारक, सुधारक और साहित्यकार के रूप में नामदेव जी को समाज में अद्वितीय स्थान प्राप्त है।

नामदेव जी के बारे में प्राचीनतम जानकारी अनंतदास जी की परचई में प्राप्त होती है, जो 1588 ई. में (नामदेव जी की मृत्यु के लगभग 200 साल बाद) लिखी गई। भक्त जी के जन्म स्थान, जन्म काल और जीवन से संबंधित घटनाओं के बारे में विद्वान एकमत नहीं है। फिर भी अधिकतर विद्वान यह मानते हैं कि उनका जन्म 1270 ई. में सितारा के समीप नरसी बामणी गाँव, महाराष्ट्र में हुआ और देहान्त 80 साल की आयु में सन् 1350 ई. में पंजाब के घुमाण गाँव में हुआ, जहाँ 2 माघ को भारी मेला लगता है।

नामदेव जी के पिता का नाम दामशेटी और माता जी का नाम गोनाबाई माना जाता है। उनके गुरू विशोबा खेचर तथा ज्ञानदेव थे। उनका विवाह गोबिंदशेटी की पुत्री राजाबाई के साथ हुआ और चार पुत्र तथा एक पुत्री का जन्म हुआ। यह भी मान्यता है कि नामदेव जी के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। शुद्र कुल में जन्म लेने के कारण उन्हें असमानता के कष्टों को सहना पड़ा।

भैरउ राग में नामदेव जी भगवान को उलाहना देते हैं कि हे प्रभु! तूने मुझे छीपे के घर क्यों पैदा किया? मुझे लोग नीच जाति का समझते हैं। मैं बड़े चाव से प्रभु के मंदिर में आया था, पर उच्च वर्ण के कहे जाने वाले लोगों ने मुझे भक्ति करते को, बांह पकड़ कर मंदिर से बाहर निकाल दिया। मैं अपनी कंबली लेकर चल पड़ा और मंदिर के पीछे जा बैठा। स्पष्ट है कि नामदेव जी के समय शूद्रों को मंदिर में जाने का अधिकार प्राप्त नहीं था। नामदेव जी भी मंदिर में जाकर भक्ति करने का उद्देश्य लेकर मंदिर नहीं गये होंगे, वह तो यही संदेश देना चाहते थे कि भगवान को सभी भक्त, चाहे वह किसी भी जाति के हों, अति प्रिय हैं और वह उन्हें हर जगह प्राप्त होता है :

छीपे के घरि जनमु दैला गुर उपदेसु भैला॥
संतह कै परसादि नामा हरि भेटुला॥

(गुरू ग्रंथ साहिब, पृष्ठ 486)

भैरउ राग में नामदेव जी के समय जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के प्रचलन की बात भी सामने आती है। नामदेव जी वर्णन करते हैं कि बादशाह (मुहम्मद बिन तुगलक) ने मुझे कहा कि मैं तेरे प्रभु की शक्ति देखना चाहता हूँ। मेरी यह मरी हुई गाय जीवित कर दे, नहीं तो मैं अभी तुझे मार दूंगा। मैंने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता। वही होता है जो प्रभु चाहता है। बादशाह ने आदेश दिया कि इस पर हाथी चढ़ा दिया जाए। चर्चा है कि नामदेव जी के माता जी रुदन करने लगे और नामदेव जी को राम-राम तजि खुदा-खुदा कहने को प्रोत्साहित करने लगे। बादशाह क्रोधित होने लगा क्योंकि नामदेव जी उसका कहना नहीं मान रहे थे और बादशाह सोच रहा था कि मुल्ला, काजी तो मेरी आज्ञा में चलते हैं और यह हिन्दू मेरा कहना नहीं मान रहा है। हिन्दुओं ने बादशाह को यह भी कहा कि चाहे जितनी धन-दौलत ले लीजिए पर नामदेव जी को छोड़ दीजिए। बादशाह ने कहा कि यदि मैं धर्म की जगह अर्थ को प्रधानता दूंगा तो नरक में जाऊँगा। नामदेव जी के पैरों में बेड़ियां डाल दी गई, पर फिर भी वह ताल बजा कर प्रभु के गीत गाते रहे। प्रभु ने उन्हें इस संकट से बचाया क्योंकि प्रभु भक्त-वत्सल हैं। प्रभु अपने भक्तों के कष्टों का निवारण करते हैं :

सुलतानु पूछै सुनु बे नामा ॥ देखउ राम तुम्हारे कामा ॥
बिसमिलि गऊ देहु जीवाइ ॥ मेरा कीआ कछू न होई ॥
बादिसाहु चढ़िओ अहंकारि ॥ गज हसती दीनो चमकारि ॥
रुदनु हसती दीनो चमकारि ॥ छोडि रामु की न भजहि खुदाइ ॥
न हउ तेरा पूंगड़ा न तू मेरी माइ ॥ पिंडु पड़ै तउ हरि गुन गाइ ॥
करै गजिंदु सुंड की चोट ॥ नामा उबरै हरि की ओट ॥

(गुरू ग्रंथ साहिब, पृष्ठ 1165)

नामदेव जी के आगमन से पूर्व वैष्णव, शैव, योग, इस्लाम और सूफी मत समाज में प्रचलित थे। एक-एक देवता के नाम पर अनेक-अनेक मत प्रचलित थे। महाराष्ट्र में बारकरी मत का प्रभुत्व था। उस समय समाज में असमानता का बोलबाला था। चारों वर्णों में ऊँच-नीच की प्रधानता थी। शूद्र बहुत हेय जीवन व्यतीत कर रहे थे। उन्हें धार्मिक स्थानों में जाने तक की आज्ञा नहीं थी। इस तरह तेरहवीं सदी का भारत धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से पतन के धरातल में जा रहा था। राजनैतिक स्थिति भी बहुत बुरी थी। मुस्लमानों के आक्रमणों से हिन्दू राज्य मिट रहा था। मुस्लिम शासक गैर-मुस्लिम जनता पर अत्याचार करने में जरा भी संकोच नहीं कर रहे थे।

जनता की आत्मा इस तरह कुचल दी गई थी कि उसकी कुरलाहट से सारा वातावरण भयभीत हो रहा था। इस समय जयदेव, रामानंद, कबीर, सूरदास ने भक्ति के आधार पर लोगों की आत्मा को ढाढ़स देने का प्रयत्न किया। महाराष्ट्र में ज्ञानदेव, एकनाथ, तुकाराम आदि भक्तों की सरिता से इस प्रदेश को सींचा। नामदेव जी ने तो महाराष्ट्र के साथ भारत के और भागों में भी भक्ति के प्रचार हित भ्रमण किया। उनकी बात भारत की जनता को समझ में आ सके उसके लिए उन्होंने जनसाधारण की भाषा में ही साहित्य का सृजन किया। नामदेव जी की रचनाओं में हमें अद्भुत साहित्यिक प्रतिभा के दर्शन होते हैं। उनकी बाणी में हमें तीक्ष्ण सूझ का साक्षात्कार होता है। उन्होंने अपनी कृतियों में अपने आस-पास के बिम्बों और उपमाओं को ही आधार बनाया। ★ ❑❑

★ 'भक्त नामदेव : जीवन और चिन्तन, पुस्तक से साभार। प्रकाशक - धर्म प्रचार कमेटी (शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंध कमेटी, अमृतसर)

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

श्री कैलाशचंद श्रेष्ठी (बंवलिया)

- पुष्कर नगर पालिका के वार्ड सं. 24 से निर्वाचित निर्दलीय पार्षद
- विश्व के सभी पांच कैलाश धामों की सम्पूर्ण यात्रा करने वाले नामदेव समाज के संभवत: पहले व्यक्ति

- शुभाशीर्वाद दाता -

श्रीमान हरदत्त जी छीपा (पिताश्री)

श्रीमती कमला देवी छीपा (माताश्री)

निवासी : पुष्कर (जिला अजमेर)

सुश्री गरिमा श्रेष्ठी (सुपुत्री)

M.A., B.Ed. (अंग्रेजी)

DOB : 6-6-1996

प्रतीक श्रेष्ठी (सुपुत्र)

B.Sc.

DOB : 9-5-1998

श्रीमती संगीता श्रेष्ठी

(धर्मपत्नी)

शुभेच्छु :

मंजू देवी-आसकरण जी (भाई-भाभी), गीता देवी-सीताराम जी तुनगरिया,
उर्मिला देवी-राधेश्याम जी पाटोदिया (बहिन-बहनोई),
संतोष देवी, कृष्णा देवी (बहिनें), संतोष देवी-शरद कुमार जी दोसाया (सास-ससुर),
सुनीता जी-कैलाश जी तलाइच (साली जी-साढूजी),
सीमा जी-संजय जी, साधना जी- संदीप जी (सालायन जी-सालाजी) एवं समस्त परिवार

निवास : फ्रेन्ड्स कॉलोनी, देवनगर रोड़, A-2-Z मार्ट के पास, पुष्कर-305022 (जिला अजमेर) राज.
मो.: 9414300280

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

हमारे लाडले

शुभम बाकलीवाल

को पुणे की MNC कम्पनियों में तीन वर्ष का सेवाकाल पूर्ण करने तथा वर्तमान में NICE (MNC) कम्पनी पुणे (महाराष्ट्र) में नेटवर्क इंजीनियर के पद पर Join होने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

:: शुभेच्छु ::

रतनलाल जी–श्याम देवी बाकलीवाल (दादा–दादी)
रतनलाल जी–पार्वती देवी जेठानिया (नाना–नानी)
स्व. सदगुरु शरण–श्रीमती मधु बाकलीवाल (पापा–मम्मी)
किंकिण–प्रज्ञा बाकलीवाल (भैया–भाभी)
खुशी – हर्ष नामा (दीदी–जीजाजी)

शुभम बाकलीवाल
B.E. (Ec.)
DOB : 17-10-1994

निवास : एम.जे. आर.–9, रत्नपुरी कॉलोनी, रतलाम (म.प्र.)
मो.: 9893222854, 9689876648

वैवाहिक परिचय विवरण

श्री लोकेश कुमार जोशी

- सुपुत्र : श्री रमेश चन्द्र जोशी–श्रीमती चन्द्रकांता
- जन्मतिथि : 24 अप्रेल 1982
- ऊंचाई : 5'10''
- योग्यता : बी.ए., हार्डवेयर नेटवर्किंग कम्प्यूटर
- जॉब : प्रोपर्टी डीलर, कमीशन एजेन्ट व फाइनेन्सर
- गौत्र निषेध : जोशी, बन्दीवाल, जेठानिया, सामरिया
- सम्पर्क सूत्र : राजीव आर्य, बड़ोदरा (गुजरात)
- मोबाइल : 9426894700, 8200514445

निवास : शंकराचार्य मठ के पास, भानपुरा, जिला मंदसौर (म.प्र.)
मो.: 9406865641, 88178850111

जिन पर हमें गर्व है...

स्वतंत्रता सेनानी श्री गजानंद वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका अदा करने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों में नामदेव छीपा समाज की शख्सियत स्व. गजानन्द वर्मा (नरबानिया) का नाम आज भी सम्मानपूर्वक लिया जाता है ।

जीवन परिचय :– उज्जैन (मध्यप्रदेश) निवासी श्री गजानन्द वर्मा का जन्म 16 दिसंबर 1923 को श्री लक्ष्मी नारायण जी वर्मा एवं श्रीमती जानकीबाई के घर में हुआ था। आपका लालन–पालन एवं शिक्षा–दीक्षा उज्जैन में ही हुई। वहां से आपने साहित्य सुधाकर एवं साहित्य विशारद की डिग्रियां प्राप्त कीं।

श्री गजानंद वर्मा विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम से संबन्धित आंदोलन में पूर्ण सक्रिय रहे। उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण तथा नेताजी सुभाषचंद्र बोस से प्रेरणा लेकर क्रांतिकारी कार्यों में गहरी रुचि ली थी। सन 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान **करो या मरो** के आव्हान पर आपने उत्साही एवं सक्रिय नौजवानों के साथ मिलकर 9 सदस्यों का एक समूह गठित किया, जो सिर पर कफन बांध कर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर सके। श्री वर्मा के साथी–सहयोगियों ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद की नींद हराम कर के उन्हें भारत छोड़ने लिए मजबूर करने के उद्देश्य से उज्जैन नागदा के बीच असलोदा स्टेशन के समीप रेल की पटरियाँ उखाड़ी, टेलीफोन के तार काटे। इस प्रकरण के बाद वे उज्जैन छोड़कर मथुरा चले गए, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। परिणाम स्वरूप एक वर्ष तक कठोर कारावास की सजा भुगतनी पड़ी।

श्री गजानन्द वर्मा 1943 में जेल से मुक्त होने के बाद भी चुप नहीं बैठे और क्रांतिकारी गतिविधियों में ही लगे रहे। जेल से मुक्त होने के बाद नेताजी की आजाद हिंद फौज से प्रेरणा लेकर **आजाद हिन्द सेवा दल** का गठन किया । कालांतर में आपको ग्वालियर राज्य सार्वजनिक सभा (स्टेट कांग्रेस) की उज्जैन शाखा के प्रधान सचिव का दायित्व दिया गया।

उन्होंने आजादी के बाद 1948 में मध्य भारत के निर्माण के अवसर पर आयोजित अधिवेशन की संपूर्ण व्यवस्थायें की। सन् 1952 में इंदौर में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशन में 250 भाई बहनों को साथ ले जाकर व्यवस्थाओं में सहयोग किया। सन् 1957 में कांग्रेस कमेटी के 62 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में सेवादल के 300 स्वयं–सेवकों एवं सेविकाओं को ले जाकर व्यवस्था में सहयोग किया और पूरे प्रदेश के पाँच हजार स्वयंसेवकों के शिवराधिपति रहे।

श्री वर्मा 1960 में जबलपुर में आयोजित हुए कांग्रेस के अधिवेशनों में भी सेवादल

शिविराधिपति रहे एवं प्रशंसनीय कार्य किया।

स्वतंत्रता सेनानी श्री गजानंद वर्मा 1952 से 1957 तक नगर निगम उज्जैन के सदस्य रहे । सन 1972 में अखिल कांग्रेस की रजत जयंती के अवसर पर आप को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण मध्यप्रदेश सरकार की ओर से प्रशस्ति पत्र तथा भारत सरकार की ओर से ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया गया ।आप नगर स्वतन्त्रता संग्राम सैनिक संघ के अध्यक्ष तथा संभागीय स्वतंत्रता संग्राम सैनिक संघ के उपाध्यक्ष रहे ।आपने समाज सेवा केंद्र तथा भारतीय शिशु कार्य परिषद की स्थापना भी की, जिनके माध्यम से बाल मंदिर विद्यालय का संचालन कार्य तथा अन्य विविध रचनात्मक कार्य किए।श्री वर्मा ने 1983 में दिल्ली में आयोजित कांग्रेस सेवादल की तृतीय रैली में स्वागत अधिकारी के रूप में कार्य किया।इस रैली में 40 हजार स्वयंसेवक सम्मिलित हुए थे।

आपने अपने जीवन पर्यंत उज्जैन के सिहंस्थ (कुम्भ)में आयोजित शिविरों में सेवा दल के साथ कार्य किया। फलस्वरूप केंद्रीय कुंभ मेला समिति उज्जेन द्वारा भी आपको सम्मानित किया गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि श्री वर्मा को भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जीवन पर्यंत स्वतंत्रता सेनानी की पेंशन दी गई ।

संबद्धता :- श्री गजानन्द वर्मा अनेक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे और उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की ।आप मध्य प्रदेश आचार्य कुल संस्था के अध्यक्ष तथा ऊज्जैन शाखा के संरक्षक रहे। यह संस्था समाज को प्रबुद्ध, ज्ञानवान, संस्कारवान, श्रमनिष्ठ, समाजनिष्ठ, ज्ञाननिष्ठ, कर्त्तव्यनिष्ठ, राष्ट्रभक्त बनाने के उद्देश्य से स्थापित की गयी थी। श्री वर्मा मध्य भारत खादी संघ संस्था ग्वालियर के उपाध्यक्ष तथा जिला सर्वोदय मंडल उज्जैन के संस्थापक एवं अन्य कई संस्थाओं से सम्बद्ध रहे।

सम्मान- स्व. श्री गजानंद वर्मा को उनकी उल्लेखनीय राष्ट्र एवं समाज सेवाओं के लिए शासन-प्रशासन, राजनीतिक दलों तथा अन्य कई संस्थाओं ने विशेष अवसरों पर सम्मानित किया था। स्वतन्त्रता आंदोलन की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की ओर से 1972 में भोपाल में आयोजित स्वतन्त्रता सेनानियों के सम्मान समारोह में आपको भी 15 अगस्त 1972 को सम्मानित किया गया था। सन् 1973 में कांग्रेस सेवा दल की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में आपको सम्मानित किया गया। श्री वर्मा के जीवनकाल के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उज्जैन की विभिन्न संस्थाओं तथा शहर कांग्रेस कमेटी उज्जैन के संयुक्त तत्वाधान में सार्वजनिक अभिनंदन समारोह 17 मार्च 1996 को उज्जैन में आयोजित किया गया था। समारोह

की अध्यक्षता तत्कालीन शालेय शिक्षा मंत्री श्री महेंद्र सिंह ने की थी। मुख्य अतिथि एस.एन. सुब्बाराव थे । श्री सुब्बाराव ने अपने उद्‌बोधन में श्री गजानंद वर्मा के बारे में विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि **"यह सम्मान श्री वर्मा का सम्मान नहीं है, बल्कि उस समर्पित देशभक्त का अभिनंदन है, जिन्होंने आजादी के आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने गांधीजी के सिद्धांतों को अपनाया व खादी को धारण करते हुए सादगी पूर्ण कार्य किए। ऐसे अभिनंदनीय व्यक्तित्व के बीच मेरा आना अपने भाग्य की एक उपलब्धि मानता हूँ।"**

इस अवसर पर समारोह के अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि प्रदेश शासन ने सदैव स्वतन्त्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका अदा करने वाले अग्रणी व्यक्तियों तथा स्वतंत्रता सेनानिवों का सम्मान किया है । उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने श्री वर्मा जी का अभिनंदन कर वास्तव में श्रेष्ठ कार्य किया है। वर्मा जी ने कांग्रेस और देश की जो सेवा की है,वह सदैव याद रहेगी ।

निसंदेह श्री गजानंद वर्मा न केवल नामदेव छीपा समाज के बल्कि पूरे उज्जैन एवं मध्य प्रदेश प्रांत के गौरव थे। उन्होंने 15 फरवरी 2005 को अपना नश्वर शरीर छोड़ा और इस संसार से विदा ली थी ।वे अपनी वीरांगना धर्मपत्नी श्रीमती गिरिजा देवी व इकलौते पुत्र श्री अजय वर्मा एवं पुत्री श्रीमती कल्पना का भरा-पूरा परिवार छोड़ कर गए थे। पूर्ण राजकीय सम्मान से उज्जैन में आपका अंतिम संस्कार किया गया। बाद में आपकी वीरांगना श्रीमती गिरिजा देवी ने भी 23 मार्च 2016 को अंतिम विदा ले ली। श्री वर्मा की स्मृतियों को सँजोकर रखना न केवल उनके परिवार का, बल्कि हम सभी का परम दायित्व है।

जयहिन्द!

– घनश्याम वर्मा
प्रधान सम्पादक
श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका, कोटा

❑❑

नोट –स्वतंत्रता सैनानी स्व. श्री गजानन्द वर्मा के सुपुत्र– श्री अजय वर्मा, उज्जैन द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर उक्त आलेख तैयार किया गया है। इसके लिए श्री अजय वर्मा (9406821270) के प्रति हार्दिक आभार। ❑❑

विशेष आग्रह

आदरणीय समाज बन्धुओं, नामदेव छीपा समाज के स्वंतत्रता सेनानियों की श्रृंखला की पहली कड़ी में श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका के अप्रैल-सितम्बर 2019 के अंक में इटारसी (म.प्र.) के स्वतंत्रता सैनानी श्री मूलचन्द गिरोटिया का जीवन परिचय प्रकाशित किया गया था। इस श्रृंखला की दूसरी कड़ी में प्रस्तुत अंक में उज्जैन के स्वतंत्रता सैनानी श्रीमान गजानन्द वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व पर विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई है। इस श्रृंखला को आगे बढ़ाने की दृष्टि से आपसे अनुरोध है कि देश में किसी भी स्थान पर यदि नामदेव छीपा समाज के स्वतंत्रता सेनानी निवासरत हों या वे अब हमारे बीच नहीं रहे हो, ऐसे ज्ञात-अज्ञात वीर सपूतों के बारे में भी हमें आवश्यक रूप से सचित्र जानकारी प्रेषित करावें, ताकि आगामी अंकों में उनके बारे में भी जानकारी प्रकाशित की जा सके। **– प्रधान सम्पादक**

हमारा सांस्कृतिक त्यौहार - बसंत पंचमी

इसके नाम से ही स्पष्ट होता है कि यह बसंत ऋतु का एक प्रमुख त्यौहार है। पूरे भारत वर्ष में माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन घर-घर बड़े हर्षोल्लास के साथ यह सांस्कृतिक त्यौहार मनाया जाता है। अंग्रेजी महीनों के हिसाब से बसंत पंचमी प्राय: फरवरी मास में ही आती है। इस दिन कई मन्दिरों, शिक्षण संस्थाओं, परिवारों में सरस्वती की पूजा होती है और व्रत रखा जाता है। धार्मिक स्थलों पर कथा-भजनों का आयोजन होता है। बच्चे तथा पूजादि करने वाले व्यक्ति पीले रंग के कपड़े पहनते हैं। मन्दिरों में भगवान को गुलाल का फाग खेलाकर आनन्द लिया जाता है। इस प्रकार प्रसिद्ध त्यौहार होली की याद ताजा हो उठती है। यही नहीं प्रकृति में सरसों की फसल भी पक जाती है। उसके पीले फूल सूर्य किरणों का स्पर्श पाकर सारे वातावरण को सुहावना पीतामवर्ण प्रदान कर देते हैं। सुन्दर छटा देखकर जन-जन का मन प्रफुल्लित हो उठता है। कई परिवार जन पवित्र नदियों और सरोवरों में प्रात: काल स्नान करके धार्मिक स्थानों पर भजन पूजा दान पुण्य भी करते है।

हमारे देश में बसन्त पंचमी का त्यौहार संत नामदेव के अनुयायी विशेष श्रद्धाभाव से मानते हैं। इसी दिन संत नामदेव को ज्ञान की प्राप्ति होने के कारण इसे **ज्ञानोदय दिवस** के रूप में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाता है। सामूहिक विवाह का आयोजन बसंत पंचमी पर विशेष तौर पर होता है। इस दिन भगवान विट्ठल एवं संत शिरोमणि श्री नामदेव जी की पूजा करके शोभायात्रा का आनन्द उठाया जाता है। नामदेव अनुयायी प्रतिष्ठान बंद रखते हैं तथा ज्ञानोदय दिवस के रूप में विभिन्न प्रकार से खुशियों का इजहार किया जाता है। बड़े शहरों में नामदेव जी कथा एवं झांकियों की परम्परा है। सभी धर्मावलम्बी बसन्त पंचमी का दिन बहुत शुभ मानते हैं। नया करोबार भी प्रारम्भ करते हैं। लड़के- लड़कियों की सगाई की रस्म करने को अच्छा मानते हैं। बसंत ऋतु में पतझड़ के पश्चात् वृक्ष अपना नव जीवन रूप धारण कर लेते हैं। उपवन में कोयल अपनी आवाज से सबका मन मोह लेती है।

बसंत पंचमी के दिन कई महापुरूषों का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, जैसे- महाकवि निराला, भक्त प्रहलाद, बाबा रामदेव एवं पृथ्वीराज चौहान का जन्म दिन माना गया है। काशी विद्या पीठ की स्थापना भी बसन्त पंचमी को ही हुई थी। बसंत पंचमी के दिन ही पण्डित श्री राम शर्मा आचार्य को 1926 में पण्डित मदन मोहन मालवीय ने काशी में गायत्री मंत्र की दीक्षा दी थी।

इस प्रकार बसन्त पंचमी का धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व है। यह दिन आनन्द और उल्लास देने वाला एवं सारी मानव संस्कृति का उत्प्रेरक भी है। यह त्यौहार एक ओर जहाँ हमें प्रकृति की निर्मल, उदार, निस्वार्थ और समर्पण भाव भरने की प्रेरणा देने वाला है, वहीं दूसरी और आध्यात्मिक चेतनाएं संजोकर अपनी जाति, धर्म और निष्ठाओं के प्रति सर्वात्म भाव से मिट जाने की प्रेरणा देने वाला भी है। यही कारण है कि भारत के प्रत्येक मानव को बसंत पंचमी से अनुराग है। जय नामदेव!

- वृद्धिचन्द गोठवाल
कपासन (राज.)
मो. 9414732090

❑❑

सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई

श्रीमान दिनेश कुमार नागर

को एम.ई.एस. (आर्मी) विभाग में
सहायक अभियन्ता
पद से दिनांक 31 जुलाई 2019
को मुख्य अभियन्ता कार्यालय, भोपाल
से सेवानिवृत्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं।

देवेश कुमार नागर

DOB : 6 जून 1991
B.E. (E.C.)
PG Diploma in Embedded System
& Design from CDAC ACTS Pune
Job : Embedded Developer II
in OLA Electric, Bangalore

शुभेच्छु :

श्रीमती रचना नागर (पत्नी), राहुल-श्रीमती तोषी (पुत्र-पुत्रवधु)
देवेश नागर (पुत्र), महेश नागर-श्रीमती कृष्णा (भाई-भाभी)
हर्ष नागर-श्रीमती वन्दना (भतीजा-वधु),
रमेश नागर-श्रीमती अनिता (भ्राता-वधु)
श्रीमती मंजू राईवाल-श्री निरंजन राईवाल (एडवोकेट) (बहिन-बहनोई)
धमेन्द्र, करण (भतीजे), श्रीमती पुष्पा वर्मा (सास)
श्री प्रबोध वर्मा-श्रीमती निधि (सालाजी-सालायन जी)
केशव, तरूषी (बाल गोपाल)

प्रतिष्ठान -

कोटा खादी भण्डार

कमला मोदी मार्केट, नीमकाथाना, जिला सीकर (राज.)

निवास : ए-56, इन्द्र विहार कॉलोनी, एयरपोर्ट रोड, भोपाल (म.प्र.) मो. 9419258427, 0755-3591493

कु. नेहा नामा

B.Tech Honours (Comp. Science)
DOB : 11-08-1993

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

हमारी लाडली

कु. नेहा नामा

टेक्नोलोजी एनालिस्ट, इन्फोसिस, टोरेन्टो, कनाडा
शैक्षिक, प्रशैक्षिक एवं व्यावसायिक सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विदेश में जॉब करने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

:: शुभेच्छु ::

श्री अमोलक चन्द (Retd. ASP)–श्रीमती ग्यारसी देवी (दादाजी–दादीजी)
लक्ष्मीकान्त नामा (Principal)–श्रीमती उषा देवी (पिता–माता)
दिनेश चन्द (PS BSNL जयपुर)–श्रीमती ललिता देवी,
अनिल नामा (Lecturer, Pali)–श्रीमती माया देवी (चाचा–चाची)
प्रांजल (B.Tech), कृष्णकांत, गैवेश (भ्राता), प्रिया (M.Sc. Chem.)
प्रेरणा, नव्या (बहनें) एवं समस्त तोणगरिया परिवार, जोधपुर

निवास : 3-W-46, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर (राज.)–342005
फोन: 0291–2730346, मो.: 8239847560

दीपेश गोठरवाल

Assistant Professor
M.E. BITS - PILANI

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

दीपेश गोठरवाल

को Presidency University Bangalore के Engineering College में Assistant Professor के पद पर जुलाई 2018 से निरन्तर सफलतापूर्वक उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

:: दिव्य शुभाशीष ::

स्व. श्रीमती पाना देवी–स्व.श्री जगदीश प्रसाद गोठरवाल
(रेवाड़ी वाले) (दादी–दादाजी)

:: शुभेच्छु ::

श्रीमती अर्चना–श्याम सुन्दर वर्मा (मम्मी–पापा), श्रीमती मैना–श्री नरेश कुमार, श्रीमती शीला–श्री सुरेश कुमार (ताईजी–ताऊजी), श्रीमती स्वाति–राजकुमार वर्मा, श्रीमती वर्षा–सुशील कुमार, श्रीमती रेखा–अशोक कुमार (चाची–चाचा), सुश्री तोशिवा गोठरवाल (बहिन), श्रीमती सिमरन–सुमित, श्रीमती पूनम–नितेश, श्रीमती खुशबू–अंकित (भाभी–भ्राता) एवं समस्त गोठरवाल (छीपा) परिवार (रेवाड़ी वाले) एवं मित्रगण।

निवास : A-54-B, सत्यनगर, खातीपुरा रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर
मो.: 97821–68553

खत्म हो जाएगा कैंसर - बडविग

अमेरिका एवं अन्य देशों में कैंसर पर लगातार हो रहे शोध और नयी दवाओं की खोज के बावजूद न तो मरीजों की संख्या कम हो रही है और न ही मौतों का सिलसिला थम रहा है। इसके उलट सुरसा के मुंह की तरह इस 'महाकाल' का आकार बढ़ता जा रहा है, लेकिन मेडिकल साइंस की इन असफलताओं के बीच नोबल पुरस्कार के लिए सात बार चयनित होने वाली डॉ. जाहाना बडविग की वैकल्पिक उपचार विधि से उम्मीदों के दीप जल रहे हैं और कई जिन्दगियां चहचहा रहीं है।

डॉ. आटो वारबर्ग ने 1931 में कैंसर के मुख्य कारण की खोज कर ली थी, जिसके लिये उन्हें नोबल पुरस्कार से नवाज़ा गया। उन्होंने सिद्ध किया कि कैंसर का कारण कोशिका में ऑक्सीजन की कमी हो जाना है। कोशिका में ऑक्सीजन का मुख्य कार्य ऊर्जा उत्पादन में सहयोग करना है। वारबर्ग मान रहे थे कि कोशिका में ऑक्सीजन को आकर्षित करने के लिए दो तत्व जरूरी होते हैं। पहला सल्फरयुक्त प्रोटीन जो कि पनीर में पाए जाते हैं और दूसरे कुछ फैटी एसिड्स, जिन्हें कोई पहचान नहीं पा रहा था। वारबर्ग भी इन रहस्यमय फैट्स को पहचानने में नाकामयाब रहे।

डॉ. जोहाना बडविग विश्व विख्यात जर्मन बायोकैमिस्ट और चिकित्सक थी और जर्मनी के फेडरल इंस्टिट्यूट अश्वफ फैट्स रिसर्च में सीनियर एक्सपर्ट थीं। वे जर्मनी व यूरोप की विख्यात फैट्स एंड आयल्स की एक्सपर्ट थी। डॉ. जोहाना ने 1949 में पेपरक्रोमेटोग्राफी तकनीक विकसित की, जिससे वे रहस्यमय फैट्स पहचान लिए गए। ये फैट्स थे अल्फा लिनोलेनिक एसिड और लिनोलिक एसिड, जो अलसी के तेल में भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये हमारे शरीर में नहीं बन सकते, इसलिए इन्हें असेंशियल फैट्स का दर्जा दिया गया है। जब बडविग ने दोनों जरूरी तत्व मालूम कर लिए तो उन्होंने सोचा कि अब हम कैंसर को ठीक कर सकते हैं। इसलिए उन्होंने 640 कैंसर के मरीजों के ब्लड सेम्पल्स लिए और उनको अलसी का कोल्ड-प्रेस्ड तेल तथा कॉटेज चीज़ मिला कर देना शुरू किया। तीन महीने बाद नतीजे चौंका देने वाले थे। बडविग द्वारा एक महान खोज हो चुकी थी। मरीजों का हीमोग्लोबिन बढ़ गया था। मरीज ऊर्जावान और स्वस्थ दिख रहे थे और उनकी गांठे छोटी हो गई थी। इस तरह जोहाना ने अलसी के तैल और कॉटेज चीज के मिश्रण और स्वस्थ आहार विहार को मिला कर कैंसर के उपचार का तरीका विकसित किया, जो बुडविग प्रोटोकोल के नाम से विख्यात हुआ। यह उपचार क्वांटम फिजिक्स पर आधारित है। वे 1952 से 2002 तक कैंसर के हजारों रोगियों का सफलतापूर्वक उपचार करती रहीं। उन्हें हर तरह के कैंसर में 90 प्रतिशत प्रामाणिक सफलता मिली और नोबल प्राइज के लिए उनका नाम सात बार नोमिनेट हुआ।

कैंसररोधी बडविग आहार विहार :- डॉ. बडविग आहार में प्रयुक्त खाद्य पदार्थ ताजा, इलेक्ट्रोन युक्त, अपक्व और ऑर्गेनिक होने चाहिए। इस आहार में अधिकांश खाद्य पदार्थ सलाद और ज्यूस के रूप में लिए जाते है, ताकि रोगी को भरपूर एंजाइम्स मिले। बडविग ने इलेक्ट्रोन्स और एंजाइम्स के महत्व पर बहुत जोर दिया है। इस उपचार में सुबह सबसे पहले प्रोबायोटिक्स से भरपूर सावर क्राफ्ट (खमीर) की हुई पत्ता गोभी का ज्यूस लेना चाहिए। नाश्ते से आधा घंटा पहले गर्म हर्बल या ग्रीन टी लें। चीनी का प्रयोग वर्जित है। इस आहार का सबसे मुख्य व्यंजन सूर्य की अपार ऊर्जा और इलेक्ट्रोन्स से भरपूर ओमखंड है जो अलसी के कोल्ड-प्रेस्ड तैल और लो-फैट पनीर को ब्लेंड

करके बनाया जाता है। इस मिश्रण को कटे हुए स्ट्राबेरी, ब्लूबेरी आदि फलों से सजाएं। अन्य फलों का प्रयोग भी कर सकते हैं। काटेज चीज़ हमारे यहाँ नहीं मिलता है। अत: हमें घर पर दूध को फाड़कर छेना बनाना होता है। फिर छैना को हेंड ब्लेंडर से ब्लेंड करके बिलकुल स्मूथ और क्रीमी काटेज चीज बना लेते हैं। रोज सूर्य की धूप का सेवन करना अनिवार्य है। रोजाना बीस मिनट के लिए धूप सेवन करना आवश्यक है। इससे मरीज के शरीर में विद्यमान इलेक्ट्रोन्स सूर्य के फोटोन्स को आकर्षित करते हैं और ये फोटोन्स शरीर में पहुँच कर हीलिंग को प्रोमोट करते हैं। दस बजे गाजर, चुकंदर, मूली, लौकी, पालक, शलगम आदि सब्जियों का ताजा ज्यूस पिलाएं।

दोपहर के खाने में उबली सब्जियां मल्टी ग्रेन रोटी, ब्राउन राइस आदि के साथ दे सकते हैं। सलाद जरूरी है, जिसे अलसी के तेल और दही से बनी सलाद ड्रेसिंग के साथ लिया जाए। इसके बाद ओमखंड की दूसरी खुराक दी जाए। दोपहर के बाद संतरा, अनार, अंगूर आदि का ताजा ज्यूस पिलाएं। एक घंटे बाद पपीता या अन्नानास का ज्यूस पिलाया जाए। पपीता और अन्नानास के ताजा रस में भरपूर एंजाइम होते हैं जो पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। डिनर में सूप, दालें, राजमा, कुट्टू, ब्राउन राइस दिए जाएं। बडविग ने सबसे अच्छा अन्न कुट्टू को माना है। चीनी, घी, बटर, सभी वनस्पति और रिफाइंड तेलों तथा नॉनवेज से परहेज करना है। बाजार और फेक्ट्रियों में बनने वाले सभी खाद्य पदार्थ जैसे ब्रेड, पेस्ट्री, कुकीज, बिस्कुट, मिठाइयां, नमकीन, समोसे, बर्गर, पिज्जा आदि का सेवन नहीं करें। कैंसर के रोगी के लिए आपको भोजन पकाने के तरीके में बदलाव लाना ही होगा। छौंक या तड़का लगाना और तलना बंद करना होगा। उबालना और भाप में पकाना खाना बनाने के अच्छे तरीके हैं। पकने के बाद ऊपर से अलसी का तेल या आलियोलक्स मिलाया जा सकता है। भोजन पकाने के लिए माइक्रोवेव का प्रयोग कभी भी नहीं करें। टेफ्लोन कोटेड, एल्युमीनियम और प्लास्टिक के बर्तन तथा एल्युमीनियम फोइल कभी भी काम में न लें। स्टेनलेस स्टील, लोहा या कांच के बर्तन उपयुक्त रहते हैं। बडविग उपचार में कीटनाशक, रसायन, मच्छर मारने के स्प्रे, घातक रसायनों से बने सौंदर्य प्रसाधन, सनस्क्रीन लोशन, धूप के चश्में, सिगरेट, तम्बाकू, गुटका, सिंथेटिक (नायलोन, एक्रिलिक, पोलीएस्टर आदि) कपड़े, फोम के गद्दे-तकिये आदि भी वर्जित हैं। सी.आर.टी. टीवी, मोबाइल फोन से भी कैंसरकारी खतरनाक रेडियेशन निकलता है। एल.ई.डी. टीवी सुरक्षित माने गए हैं। कैंसर के रोगी को तनाव, डिप्रेशन और क्रोध छोड़ कर संतुष्ट, शांत और प्रसन्न रहने की आदत डाल लेनी चाहिये।

भारत को कैंसरमुक्त बनाने की दिशा में पहला कदम है सिर्फ रोज अलसी के तेल का सेवन करें। ट्रांस फैट से भरपूर वनस्पति, रिफाइंड तेलों का प्रयोग बंद किया जाए। ब्रेड, सलाद या सब्जियों में आलियोलक्स (अलसी और नारियल तेल से बना बटर) का प्रयोग करें। सॉफ्ट ड्रिंक और पैकेट बंद ज्यूस की जगह घर पर फलों के ज्यूस निकाल कर पिएं। हमारे चारों ओर का विद्युत चुम्बकीय वातावरण भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। सिन्थेटिक कपड़े शरीर से इलेक्ट्रोन चुराते है। इनके स्थान पर सूती, रेशमी या ऊनी कपड़े पहनें। फोम के गद्दे रात भर में आपकी काफी ऊर्जा ले लेते हैं। जूट या रूई के गद्दे प्रयोग करना चाहिए। नियमित समय पर सोना और जागना अति आवश्यक है। कैंसर की डॉक्टर जोहाना, बडविग शोध किया पहचाना। अलसी तेल पनीर मिलाया, किया अचंभित फल जो पाया। जन हित धर्म कर्म चमकाया, सात बार नोबल ठुकराया। कर्क रोग से सब जग हारा, अलसी खिला खिला उपचारा।

– डॉ. ओ. पी. वर्मा, कोटा
मो.8118871599

❑❑

वृद्ध जनों के लिए उपयोगी संदेश

वयोवृद्ध तथा वृद्ध होने जा रहे लोगों के लिए एक अति उपयोगी संदेश। कृपया अवश्य पढ़ें.....

.....क्योंकि हम में से किसी के पास भी जीवन के बहुत ज्यादा वर्ष शेष नहीं रहे हैं तथा जाते समय हम अपने साथ यहां से कुछ भी साथ नहीं ले जा पाएंगे, इसलिए अपने मन में ज्यादा लालसा न रखें। जो खर्च आप कर सकते हैं, करें। जो आनंद आप ले सकते हैं, लें। आप में जो भी दान करने की क्षमता है, दान दें।

आप इस बारे में चिंतित न हों कि हमारे जाने के बाद क्या होगा? क्योंकि जब हम राख में मिल जाएंगे तो हम प्रशंसा या निंदा का अनुभव नहीं कर पाएंगे। सांसारिक जीवन का आनंद लेने का समय तथा आपके द्वारा कड़ी मेहनत से कमाया हुआ धन, दोनों ही, किसी काम का नहीं रहेगा! अपने बच्चों के बारे में ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि बच्चों का अपना अपना भाग्य होगा तथा उन्हें अपने जीवन की राहें स्वयं चुननी चाहिये। उनकी देखभाल करें, उन्हें प्यार दें। उन्हें उपहार दें, परंतु जब भी आप चाहें, अपने धन का अपने लिए भी उपयोग एवं उपभोग, अपनी इच्छा के अनुसार करें।

साठ वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्ति कृपया दौलत कमाने के लिए अपनी सेहत का व्यापार न करें। कहीं ऐसा न हो कि इस प्रकार आपका अंतिम समय और नजदीक आ जाये, क्योंकि शायद आपके पैसे में उतनी क्षमता न रहे, जिससे आपकी सेहत खरीदी जा सके। हजारों हैक्टेयर उपजाऊ भूमि में उगाए गए सैंकड़ों क्विंटल चावल में से दिन भर में आपको केवल तीन मुट्ठी चावल की आवश्यकता होती है। आपके पास कितने ही बड़े महल या बंगले हों, परंतु रात को सोने के लिए आपको केवल 8 वर्ग मीटर स्थान ही चाहिए। इसलिए जब तक आपके पास खाने के लिए पर्याप्त भोजन तथा खर्च करने के लिए पर्याप्त धन है, तो आप सुखी हैं तथा इतना ही पर्याप्त है। हर परिवार की अपनी अपनी समस्याएं होती हैं। अपनी प्रसिद्धि तथा सामाजिक रुतबे के लिए दूसरों से अपनी तुलना न करें। यह कदापि न सोचें कि दूसरों के बच्चे आपके बच्चों से बढ़िया कमा रहे हैं या वे बहुत अच्छे हैं और हमारे नहीं, बल्कि दूसरों के सामने अपने आपको प्रसन्न, हृष्टपुष्ट, सम्पन्न रखते हुए लंबे समय तक योग्य जीवन जीने की प्रेरणा दें।

जिन चीजों, लोगों तथा परिस्थितियों को आप बदल नहीं सकते, उनके बारे में चिंता करना छोड़ दें, क्योंकि इससे लाभ तो नहीं होगा, उल्टे आपकी सेहत का ही नुकसान होगा।आपको अपनी खुशी तथा अपने उत्तम रहन सहन के लिए सही वातावरण स्वयं बनाना होगा। जब तक आप खुशनुमा मूड में हों, स्वस्थ हों, अच्छी बातें सोचें। प्रतिदिन अच्छे काम करें। यदि किसी की सहायता कर सकें तो करें तथा इस प्रकार के कार्य प्रसन्नचित होकर करें। इस प्रकार से आपका प्रत्येक दिन, प्रत्येक लम्हा प्रसन्नतापूर्वक बीतेगा।

यदि आप एक दिन प्रसन्नतापूर्वक बिताएंगे तो आप अपने लिए एक दिन अर्जित करेंगे। और यदि आप एक दिन अप्रसन्न रहेंगे तो आप अपनी जिंदगी का

हे विट्ठल हम शरण तुम्हारे...

अन्तर्यामी तुम हो स्वामी,
दीन दयाल तुम्हीं हो दानी।
करूणा सागर दीप बन्धु तुम,
प्रभू आपकी अकथ कहानी॥
तुमने सबके कष्ट निवारे-
हैं विट्ठल हम शरण तुम्हारे॥

प्रभू जी देना हमें सहारा,
टूटे ना विश्वास हमारा।
रहे मनोबल शक्ति देना,
तुमको अर्पण जीवन सारा॥
क्षमा करें अपराध हमारे -
हैं विट्ठल हम शरण तुम्हारे॥

पापों से प्रभू हमें बचाना,
अवगुण सारे दूर भगाना।
सद्मार्ग पर चले प्रभू हम,
ऐसी हम को राह बताना॥
इस जीवन के तुम्हीं सहारे -
हैं विट्ठल हम शरण तुम्हारे॥

जो भी शरण आपकी आते,
सचमुच में सब कुछ पा जाते।
हो भक्तों के रक्षक स्वामी,
उनके संकट दूर भागते॥
भ्रम विपदा के हम हैं मारे-
हैं विट्ठल हम शरण तुम्हारे॥

लोभ मोह में ना ललचावें,
परमार्थ सेवा अपनावें।
निंदा झूंठ सभी अवगुण से,
प्रभू प्रार्थना मुक्ति पावें॥
सब विट्ठल का नाम पुकारे
हैं विट्ठल हम शरण तुम्हारे॥

– रामगोपाल नामा 'राही', लोखरी (राज.)

एक दिन खो देंगे। यदि आप बीमार हैं और आपकी भावना प्रसन्नचित है तो बीमारी जल्दी दूर होगी। यदि आपकी सोच बहुत ऊंची एवं प्रसन्नचित भावना रहती है तो कभी भी बीमारी आपके पास नहीं आएगी। अच्छे मूड, व्यायाम, धूप, तरह-तरह के सुपाच्य भोजन, पर्याप्त मात्रा में विटामिन एवं खनिज युक्त भोजन का सेवन करने से आप अगले 25-30 वर्ष अच्छी सेहत से प्रसन्नचित होकर बिता सकते हैं।

सबसे ऊपर - अपने चारों ओर अच्छाइयों को फैलाने की कोशिश करें। बिना यह सोचे कि प्रत्युत्तर में आपको क्या मिला या क्या मिल रहा है? अपने जीवनसाथी को पसंद करें, उन्हें भी प्रसन्न रखें। (उन्हें शरीर का आधा भाग यूं ही नहीं माना गया है) क्योंकि वे ही आपको जवान बने रहने का अनुभव कराते हैं। साथ ही यह भी अनुभव कराते है कि आप उनके लिए आवश्यक हैं। उनके बिना यह निश्चित है कि आप अपने आपको खो देंगे! आप सबको आने वाले स्वर्णिम वर्षों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

– किशनसिंह राजपूत
मथुरा, मो. 9457417877

लेखकों से अनुरोध

- श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका में प्रकाशनार्थ प्रेषित की जाने वाली रचनाऐं, लेख, कविताऐं आदि सामाजिक विषयों पर आधारित हों।
- राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक एवं अपराधिक घटनाओं सम्बन्धी साम्रगी का प्रकाशन संभव नहीं होगा।
- सदाचार, शिष्टाचार, नैतिकता एवं संस्कारमूलक विषयों तथा युवा पीढ़ी के लिए लिखी प्रेरणादायी रचनाओं को हम सहर्ष स्वीकार करेंगे।

मंगल परिणय बंधन पर हार्दिक बधाई

चि. प्रियंक (सचिन)

सुपौत्र : स्व.श्री रघुनंदन गुजरानिया-स्व.श्रीमती जगन्नाथी देवी
सुपुत्र : श्री श्याम सुन्दर नामा-श्रीमती अरूणा नामा
निवासी: सवाई माधोपुर

सौ.कां. रितु

सुपौत्री : स्व.श्री बजरंग लाल जी-श्रीमती मोहनी देवी
सुपुत्री-श्री शिवदयाल जी छीपा-श्रीमती बेबू
निवासी: बिचून (जयपुर)

का

शुभ विवाह

दिनांक 28 नवम्बर 2019 को सवाई माधोपुर में सम्पन्न होने पर वर-वधु को हार्दिक बधाई
शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाएं

शुभेच्छु

श्याम सुंदर नामा-श्रीमती अरूणा नामा (पापा-मम्मी)
भगवान दास नामा-श्रीमती सीता देवी (ताऊजी-ताईजी)
श्रीमती विमला देवी (ताईजी)
संजय-हिमानी, अजय-अन्तिम (भाई-भाभी)
नीलम-पंकज जी, शालिनी-चन्द्रप्रकाश जी (बहिन-बहिनोई)
ननिहाल पक्ष : श्री रामपाल जी छीपा (नाना जी)
श्री चन्द्रपाल जी-श्रीमती संतोष (मामा-मामी)
मदनगंज, किशनगढ़ (राज.)

प्रतिष्ठान

श्री नामदेव टाईपिंग इंस्टीट्यूट

सदर बाजार, सवाई माधोपुर (शहर)

निवास : श्री जी के मंदिर के पास, छीपा मोहल्ला, शहर सवाई माधोपुर (राज.)-322021
मो. 9413885733, email- shyam1759@gmail.com

मंगल परिणय बंधन पर हार्दिक बधाई

चि. निशांत

सुपौत्र : श्री मोहनलाल दौसाया-स्व.श्रीमती लाड़बाई
सुपुत्र : श्री अशोक दौसाया-श्रीमती सावित्री(मधु)
निवासीः कोटा(राज.)

का

सौ.कां. पल्लवी

सुपौत्री : श्री जयरामपाल-श्रीमती कलावती
सुपुत्री-श्री विनय प्रसाद पाल-श्रीमती सुनीता देवी
निवासीः कहल गांव (बिहार)

शुभ विवाह

दिनांक 30 नवम्बर 2019 को कोटा में सम्पन्न होने पर वर-वधु को हार्दिक बधाई
शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाऐं

नव वर्ष 2020
की हार्दिक
शुभकामनाएं

ॐ शुभेच्छु ॐ

सावित्री (मधु)-अशोक कुमार (माता-पिता), श्याम बिहारी - शकुन्तला (चाचा-चाची), आशा-राकेश जी, राजेश-राजेन्द्र जी (बुआ-फूफाजी), कल्पान्त - प्राची (भाई-भाभी), आकांक्षा, आयुषी एवं रूचिता (बहिन), निशा- आकाश जी (बहिन-बहिनोई) प्रशान्त, आकाश, चित्रांश (भाई), प्रकल्प (वंश) (भतीजा)

निवास : 1137, खण्डेलवाल नर्सिंग होम की गली, महावीर नगर द्वितीय, कोटा
मो. 9462837257, 9413221959, 9214368463, 8983158372

तबला वादन के दक्ष फनकार - श्री प्रमोद कुमार नामा

राजस्थान की पर्यटन नगरी बूंदी के निवासी **श्री प्रमोद कुमार नामा** इस अंचल में संगीत जगत की जानी मानी शख्सियत है। वह तबले के सिद्धहस्त फनकार हैं, जिनकी उपस्थिति छोटी काशी के नाम से विख्यात बूंदी नगर के सांस्कृतिक आयोजनों में सर्वत्र अवश्य ही देखी जा सकती है।

बूंदी के वरिष्ठ समाज सेवी स्व. श्री प्रभूलाल नामा (सरसवाल) के सुपुत्र श्री प्रमोद नामा ने वाणिज्य स्नातक के बाद बैंक की नौकरी कर ली थी। बैकिंग सेवा काल में इन्होंने उस्ताद घनश्याम राव से गुरू शिष्य परम्परा में दस साल तक तबला वादन सीखा। बाद में मुम्बई के गंधर्व महाविद्यालय से संगीत और तबला वादन विधा में विशारद की डिग्री हासिल की। वैसे तो बचपन से ही इनकी उंगलियां तबले पर थिरकने लग गयी थी। श्री प्रमोद बतातें है कि परिवार में उनके माता-पिता के अलावा उनके बड़े भ्राता प्रेम कुमार नामा ने भी उन्हें इस विधा से जुड़े रहकर दक्षता हासिल करने के लिए सदैव प्रेरित किया।

श्री प्रमोद नामा बूंदी नगर में वर्षभर आयोजित होते रहने वाले संगीत के आयोजनों में तबला वादन करते रहते हैं। वहां के कई बड़े इवेन्ट्स में वह तबला वादन कर चुके हैं। बून्दी उत्सव, कजली तीज मेला मंच, संस्कार भारती तथा भारत विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित कई कार्यक्रमों में वह तबले पर संगत कर अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं।

श्री प्रमोद नामा बताते हैं कि तबले पर उंगलियां नचाना इतना आसान नहीं होता। तबला एक कठिन साज है। वह संगत का मान है। सुर व नृत्य के साथ तबले पर परफेक्ट संगत के लिए घंटों रियाज (अभ्यास) करना पड़ता है। तबला साज के प्रति लोगों में बहुत कम रूचि दिखाई देती है। बूंदी में तो इक्का-दुक्का व्यक्ति ही तबला साज बजाने वाले हैं। युवाओं को इस कला में आगे आना चाहिए, क्योंकि इसमें कैरियर की संभावनाऐं भी हैं।

श्री प्रमोद नामा बैंक की सर्विस से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर पूरी तरह से तबला साज के प्रति समर्पित होकर अपने फन को सतत परिमार्जित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नामदेव समाज की बाल एवं किशोर वय प्रतिभाओं को वह नि:शुल्क तबला वादन सिखाने को सदैव तत्पर रहते हैं। उनका पुत्र सागर भी तबले में विशारद तथा पुत्री रागिनी गायन में विशारद की डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। इन दोनों के प्रेरणा स्त्रोत स्वयं प्रमोद नामा ही हैं। इनके एक शिष्य नंदकिशोर सैनी केन्द्रीय विद्यालय में संगीत शिक्षक पद पर सेवाऐं दे रहे हैं। तबले के फनकार श्री प्रमोद नामा को कई आयोजनों में प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान पत्र प्राप्त हो चुके हैं। इनकी माताजी स्व. श्रीमती सोसर बाई की पुण्यतिथि पर यह प्रतिवर्ष भक्ति संध्या का आयोजन भी करते रहे हैं। निश्चित रूप से श्री प्रमोद नामा, नामदेव छीपा समाज की एक स्थापित प्रतिभा हैं, जिनसे हमारे समाज की भावी पीढ़ी को पूरा लाभ उठाना चाहिए।

-घनश्याम वर्मा, प्रधान संपादक

मेवाड़ अंचल के युग पुरुष: स्व. श्री भंवर लाल जेठानिया

राजस्थान के मेवाड़ अंचल के युग पुरूष वयोवृद्ध समाजसेवी श्री भंवर लाल जेठानिया अब हमारे बीच नहीं रहे। श्री जेठानिया का बैकुण्ठवास दिनांक 24 दिसम्बर 2019 को स्वनिवास पुर- भीलवाड़ा में हृदयगति रूक जाने से हो गया। श्री जेठानिया ने 91 वर्ष 8 माह की लम्बी आयु प्राप्त की। वह अपने पीछे भरापूरा परिवार एवं समाज सेवा कार्यों की लम्बी फेहरिश्त छोड़कर इस संसार से विदा हुए हैं।

जीवन-परिचय - श्री भंवर लाल जेठानिया का जन्म दिनांक 1 मई 1928 को मेवाड़ की धरा पुर (भीलवाड़ा) ग्राम में हुआ। पांच वर्ष की अल्पायु में ही आपके पिता श्री हीरालाल जी एवं दादा श्री नगजी राम जी का स्वर्गवास हो जाने के कारण आपकी दादी भगवती देवी ने आपका लालन-पालन किया और शिक्षा दीक्षा दिलवाई। पन्दह वर्ष की उम्र में आपने एशिया की प्रतिष्ठित कंपनी दी मेवाड़ टेक्सटाइल्स मिल्स भीलवाड़ा में क्लर्क की नौकरी ज्वाइन की। नौकरी करते हुए भी आपने पढ़ाई जारी रखी और स्नातक की डिग्री हासिल की। संभवत: उस जमाने में आप नामदेव छीपा समाज में मेवाड़ अंचल के प्रथम स्नातक डिग्रीधारी युवा थे। बाल्यावस्था में ही आपका विवाह हमीरगढ़ की कमला देवी के साथ हो गया था।

सामाजिक योगदान :- तत्कालीन समय में नामदेव छीपा समाज कुरीतियों तथा रूढ़ीवादी परम्पराओं से जकड़ा हुआ था। समाज पूरी तरह असंगठित था। समाज में जागरूकता की कमी थी। ऐसे समय में आप वरिष्ठ समाज सेवियों श्री दौलतराम मेड़तवाल, श्री मेघराज टटवाल एवं श्रीराम स्वरूप साध जैसे समाजसेवियों के संपर्क में आए और समाज में जन जागृति लाने तथा समाज विकास हेतु चर्चा करने लगे। ऐसे समय में ही आपने चिन्तानशील बुद्धिजीवियों के सहयोग से दिनांक 17 जनवरी 1963 को श्री नामदेव छीपा समाज आम मेवाड़ महासभा संस्था की स्थापना की। महासभा का प्रथम अध्यक्ष भीलवाड़ा के श्री श्रीलाल जोशी को बनाया तथा भीलवाड़ा क्षेत्र के महामंत्री स्वयं श्री जेठानिया मनोनीत हुए। सभी ने मिलकर महासभा का संविधान भी बनाया।

श्री जेठानिया चार बार मेवाड़ महासभा के अध्यक्ष तथा लम्बे समय तक आजीवन संरक्षक सदस्य भी रहे। मेवाड़ क्षेत्र में सामूहिक विवाह सम्मेलनों के आयोजनों में आपकी सक्रिय भागीदारी रही। समाज के हर छोटे-बड़े आयोजनों में आप अवश्य उपस्थित होते थे। आप पुर में छीपा समाज के अध्यक्ष रहे। पुर ग्राम पंचायत के उप सरपंच पद पर भी आसीन रहे। आपने अपने बच्चों की शिक्षा पर पूरा ध्यान दिया और सभी को उच्च शिक्षा दिलवाई। समाज में भी शिक्षा के प्रसार की ओर विशेष ध्यान दिया।

निसंदेह समाज सेवा के क्षेत्र में श्री भंवर लाल जेठानिया (बाबू साहब) के उल्लेखनीय कार्यों की लम्बी फेहरिश्त है। दिनांक 24 दिसम्बर 2019 को श्रीमान भंवर लाल जी ने इस संसार से अंतिम विदा ली और उनका शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। मेवाड़ छीपा समाज के इतिहास में इस युग पुरूष का नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा। ऐसी शख्सियत को संपूर्ण छीपा समाज की ओर से शत-शत नमन् ।

❑❑ - घनश्याम वर्मा, प्रधान सम्पादक

नामदेव समाज के सम्बन्ध योग्य युवक

1. **हिमांशु** / 24-09-89/5'8''/B. Tech. (E.&C.) / आकाशवाणी कोटा में प्रसारण अधिशाषी / गौत्र- सरावगी, बरनेचा, सोरनिया, खण्डेलवाल / पता- श्रीमती मीना नामा W/o स्व. श्री उमा प्रसाद सरावगी, म.नं. 855, महावीर नगर द्वितीय, **कोटा** (राज.) / मो. 9462837215,9414784171

2. **सुनील**/12-09-88/B.Tech./ प्राईवेट जॉब / गौत्र- चिचोतिया, खटोत, बरग, सोपरा / पता- श्री चन्द्र प्रकाश नामा, 127, वीर सावरकर नगर, रंगबाड़ी, **कोटा** (राज.)/ मो. 9887902177, 925144447

3. **दिलीप कुमार**/10-09-89/5'-8''/MBA / इवेन्ट आर्गेनाइजर / गौत्र- मेड़तवाल, पंवार, पीलिया, खटोत / पता- राजेन्द्र कुमार, रंगबाड़ी, **कोटा**/ मो. 9887330034

4. **राहुल** /18-07-91/B.Tech. (इलेक्ट्रो.) / मल्टीमेटल कं. में इंजीनियर / गौत्र- बरग, डिग्गीवाल, कासलीवाल, बालेता / पता - चतुर्भुज नामा, 891, विवेकानन्द नगर, **कोटा** /मो. 9799902672

5. **अभिषेक** / 17-06-90 / 5'-5''/ M.Pharma / Govt. Pharmacist / गौत्र- खींची, सरसवाल, हतोनिया, दोलिया / पता- शिवचरण नामदेव, 1034-B, श्रीनाथपुरम् कोटा / मो. 9928926875

6. **डॉ. विजेन्द्र**/ 01-01-90/ 5'-4'' / MBBS / गौत्र- मोयल, डिडवानिया / पता- रामेश्वर लाल मोयल (टांक क्षत्रीय)/ भीलवाड़ा / मो. 9414556883

7. **केशव** / 30-10-96/5'-8'' / B.A. B.P.Ed. (अध्ययनरत)/ गौत्र- खंडेलवाल, बघेरवाल, जेठानिया, जोशी / पता- नवल खण्डेलवाल, H-9, आरोग्य नगर, **कोटा** / मो. 9413185953

8. **आदित्य**/ 17-4-89/ 5'-9'' / MBA (मार्केटिंग) /छिन्दवाड़ा में यश बैंक में उप प्रबंधक / गौत्र- निषेध-भारद्वाज / पता- जसवन्त नामदेव, **जबलपुर** / मो. 9575380099

9. **विमल कुमार** /01-06-92/ 5'-6''/B.Tech. / सर्विस / गौत्र- बरग, तोनगर्या, हथेनिया, डरेल / पता- सुरेन्द्र कुमार नामा, **केशवरायपाटन** (बूंदी) (राज.) / 9667713311,6367679967

10. **निशान्त** /9-4-92/ 5'-5''/B.Tech., M.Tech. (Chemical Eng.) / F.R.M. (USA) / नॉर्थ वेस्ट बैंक बैंगलोर में कन्सलटेन्ट / गौत्र - डिग्गीवाल, दूनीवाल, दोसाया, नुवाल / पता- राकेश भारतीय, **कोटा**

11. **विकास** / 3-11-93 /5'-5''/ M.Com. / लेखाकार / इन्हीं के अनुज....

12. **विशाल** / 21-8-96/ 5'-9''/ B.Sc. (नर्सिंग) अध्ययनरत / दोनों के गौत्र - बरग, आछेरा, बलरेवा, पटवा / पता- घनश्याम नामा (बर्ग), **बून्दी** (राज.) / मो. 9928574883

13. **सुरेन्द्र** /5-6-89/5'-10''/M.A., B.Ed. / इन्हीं के अनुज....

14. **कपिल**/ 5-11-92/ 5'-9''/B.A., STC / राजकीय अध्यापक / दोनों के गौत्र- कासलीवाल, मुल्तानिया, ढूंढाडिया, दोसाया / पता- हेमन्त नामा (भ्राता), **मनोहरथाना** (झालावाड़-राज.)/ मो. 9001452753,9929755770

15. **आशीष** /20-05-93 /5'-6''/पोलीटेक्निक/ निजी शॉप एवं प्रिंटिंग कार्य / गौत्र - सांखला, जेठानिया, बघेरवाल, कनेसरा / पता- महावीर प्रसाद सांखला, संगम विहार, बून्दी रोड़, **कोटा**/ मो. 9660671766

16. **हर्ष** /08-08-94 /5'-7''/मांगलिक/ B.Tech. (इलेक्ट्रीकल)/ गौत्र- खण्डेलवाल, गंगवाल / पता- प्रकाश कुमार भावसार, **अहमदाबाद** / मो. 97141-33105, 91067-84389

17. **दीपेश** / 24-07-89 / 5'-7''/ M.Tech. (BITS- Pilani) / बैंगलोर में इंजी. कॉलेज में असिस्टेन्ट प्रोफेसर / गौत्र- गोठरवाल, भातरा, मंडावरा, बघेरवाल / पता-श्याम सुन्दर वर्मा, A-54-B, सत्यनगर, झोटवाड़ा, **जयपुर** / मो. 9782168553

18. **अक्षय कृष्ण** / 11-08-93 / 5'-9''/ B.A., MBA / बैंक में सर्विस / गौत्र - जोशी, गड्या, गुजरानिया, घंटाल /पता - धर्म कुमार जोशी, सी-38, इन्द्र विहार, **कोटा** (राज.) / मो. 7742368225

19. **लोकेश कुमार** / 24-04-82 / 5'-10'' / B.A., हार्डवेयर नेटवर्किंग कम्प्यूटर / प्रोपर्टी डीलर, कमीशन एजेन्ट, फाइनेंसर / गौत्र - जोशी, बंदीवाल, जेठानिया, सामरिया / पता- रमेशचन्द्र जोशी, **भानपुरा** (म.प्र.) / मो. 9406865641

20. **देवेश कुमार** / 6-06-91 / 5'-9'' / BE (EC), PG Diploma in Embedded system @ Design / बैंगलोर में प्राईवेट कं. में सर्विस / गौत्र- नागर, दलोदरा, पंवार, सोपरा / पता - दिनेश कुमार नागर A-56, इन्द्रा विहार कॉलोनी, **भोपाल** / मो. 9419258427

21. **आशीष** / 30-12-88 / B.A./ग्राफिक डिजाइनर / गौत्र- बांदरा, पत्थरचट्टा, टटवाड़िया, नईवाल / पता- ललित गोविन्द नामा, महावीर नगर विस्तार योजना, **कोटा** / मो. 8559994108, 7737807503

22. **मानस** /25-05-96/ 5'-10''/B.Tech. (Electrical) / कोटा में स्वयं का बिजनेस/ गौत्र - सोरनिया, गोठरवाल, नाफड़िया, बोलिया / पता - पुरूषोत्तम नामा, लाड़पुरा, **कोटा** / मो. 9818442355

23. **यश**/ 13-07-92/5'-8''/ B.Com., Polytechnic / सरकारी सिविल कॉन्ट्रेक्टर / गौत्र- सामरिया, मेड़तवाल, सांखला, बन्दीवाल / पता- ललित कुमार सामरिया, पंजाबी कॉलोनी, **छीपाबड़ौद** (बारां-राज.) / मो. 7689063708, 9784291153

24. **विनोद कुमार** / 30-09-80/5'-8''/ M.Com., PGDCA/ सरकारी लेखाकार/ इन्हीं के अनुज.....

25. **अरविन्द** /11-11-92/5'-11''/ M.Com. / NRHM - लेखाकार / दोनों के गौत्र- तोनगर्या, आसरमा, पत्थरचट्टा, मालीवाल / पता- श्री मदन गोपाल नामा, **निवाई** (टोंक) / मो. 8104657413

26. **जतिन** /6-3-97/5'-5''/ M.Sc. / प्राईवेट टीचर / गौत्र- मुलतानी, पटवा, टटवाल, उदयवाल / पता- नारायण लाल नामा, बालचंद पाड़ा, **बून्दी** / मो. 9413127813

27. **शुभम** /17-10-94/5'-10''/ B.E. (EC)/ NICE (MNC) कं. पुणे में नेटवर्क इंजीनियर / गौत्र- बाकलीवाल, जेठानिया, मुल्तानिया, पीलिया / पता- मधु बाकलीवाल, रत्नपुरी कॉलोनी, **रतलाम** (म.प्र.)/ मो.9893222854, 9689876648

28. **कपिल सिंह** /25-05-90 / 5'-6''/ / केन्द्रीय सचिवालय में सेक्शन ऑफिसर / गौत्र - कामेवाल, रामपुरिया, बृग / पता- ईश्वर दयाल कामेवाल, **आगरा** / मो. 9758703491, 8433063406

(शेष भाग पृष्ठ 22 पर)

मंगल परिणय बंधन पर हार्दिक बधाई

चि. चन्द्रप्रकाश (प्रिंस)

सुपौत्र : श्रीमती भंवरी बाई-स्व.श्री भंवरलाल सरावगी
सुपुत्र : श्रीमती रेखा देवी-सत्यनारायण सरावगी
निवासी : आसीन्द (भीलवाड़ा)

का

सौ.कां. सोनाली (इच्छा)

सुपौत्री : श्रीमती मीना देवी-श्री मांगीलाल आंछेरा
सुपुत्री : श्रीमती ललिता देवी-श्री संजय जी आंछेरा
निवासी : बान्द्रा (ईस्ट), मुम्बई

शुभ विवाह

दिनांक 30 जनवरी 2020 को चित्तौड़गढ़ (राज.) में सम्पन्न होने पर वर-वधु को हार्दिक बधाई
शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाऐं

ॐ शुभेच्छु ॐ

श्रीमती भंवरी बाई (दादीजी), सत्यनारायण सरावगी (भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष, आसीन्द)–श्रीमती रेखा देवी (पापा–मम्मी), श्री गोपाल जी खण्डेलवाल–श्रीमती सुशीला देवी, प्रमोद कुमार जी–सीतादेवी, श्याम जी–कान्ता देवी, रमेशचंद जी–अरूणा देवी (फूफाजी–बुआजी), कल्याण मल जी–श्रीमती लाली देवी, श्रीमती सम्पत देवी–स्व.श्री घनश्याम जी, पवन कुमार जी–श्रीमती सीता देवी, श्री ओमप्रकाश–श्रीमती सीता देवी, श्री चांदमल–श्रीमती चन्देश देवी (ताऊजी–ताईजी), पारसमल– श्रीमती लाड़देवी, तेजमल– श्रीमती मधु देवी, हेमेन्द्रकुमार–श्रीमती ख्याली देवी (चाचा–चाची), रमेश चन्द्र–श्रीमती मोनिका, बुद्धिप्रकाश–श्रीमती कोमल, आशीष–प्रीति (भैया–भाभी), शैफाली (साली जी), कार्तिक (साला जी), श्री सोहनलाल जी–श्रीमती बादाम देवी (नाना–नानी), श्री दिनेश जी–बबिता देवी, राजेश जी–सुशीला देवी, घनश्याम जी– कंचन देवी, प्रकाश जी–रेखा देवी (मामाजी–मामीसा), श्री राधेश्याम जी–श्रीमती कमला देवी, श्री महेश कुमार जी–श्रीमती लीलादेवी, श्री केदारमल जी–श्रीमती तारा देवी (मौसाजी–मौसीजी), मनीष, सूरज, राहुल, सचिन एवं प्रशान्त (भ्राता), दीपिका (B.Sc. B.Ed.), डिम्पल (B.Sc. B.Ed.) (बहिनें), आर्यन, अभिनन्दन (भतीजे) एवं समस्त सरावगी परिवार, आसीन्द (भीलवाड़ा) राज.।

प्रतिष्ठान **मै. सत्यम ट्रेडर्स**

नरसिंहद्वारा मन्दिर के पास,
आसीन्द, जिला भीलवाड़ा (राज.)

निवास : सत्यम विला, वार्ड नं. 19, आसीन्द, जिला भीलवाड़ा (राज.)
मो. 9414923503, 9928480870, 7014874546

नामदेव समाज बन्धुओं को नूतन वर्ष 2020 की हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

शुभेच्छु :

श्रीराम नामा (पाटौदी) – श्रीमती कृष्णा

सतीश नामा – श्रीमती मंजू नामा (पुत्र – पुत्रवधु)

विनय नामा – श्रीमती सूरज नामा (पुत्र – पुत्रवधु)

हर्षिता नामा (पौत्री)

अक्षत नामा, पुलकित नामा (पौत्र)

मै. श्रीराम प्रोविजन स्टोर

न्यू पोस्ट ऑफिस के सामने, कोटा जंक्शन

निवास : मयूर कॉलोनी, स्टेशन रोड़, कोटा-जंक्शन, कोटा (राज.)

मो. 9414308724, 9057588721, 9352926690, 9571518787

नामदेव समाज की सम्बन्ध योग्य युवतियाँ

1. **खुशबू** / 13-03-92/5'-3"/ मूक बधिर / D.M.E. (डिप्लोमा इन मैकेनिकल इंजी.) / पूना में प्राइवेट सर्विस/ गौत्र- परिहारिया, गहलोत, सोलंकी, परमार / पता- जयन्तीलाल, पूना (महाराष्ट्र) / मो. 9823416805, 8805641565

2. **डॉ पायल**/ 10-7-89/5'-4"/MBBS, MS (ENT)/SMS हॉस्पिटल जयपुर में सीनियर रेजीडेन्ट/ गौत्र- दोसाया, अमरवाल, तोनगर्या, बघेरवाल / पता- हेमन्त कुमार वर्मा, 612, बी.के. कोल नगर, **अजमेर** (राज.)/ मो. 9887219552

3. **निकिता** / 29-06-93 /5'-2"/ B. Tech. (EC)/ जॉब / गौत्र- गोठरवाल, सिसोदिया, कामेवाल / पता- राजेश कुमार, **अलीगढ़** / मो. 9457240733, 9358253806

4. **आयुषी** /09-03-95/5'-2"/ B. Tech. (C.S.) / TCS नोएडा में सर्विस / गौत्र- गोठरवाल, टटवाल, कामेवाल, बारोलिया / पता- राजीव कुमार वर्मा, **मथुरा** / मो. 7060777538, 9456683444

5. **मोहिनी** /24-02-93/5'-3"/ B.E. (C.S.) / एसेंचर कंपनी पूना में सर्विस / गौत्र- द्रोणावत, जगरवाल, बारोलिया, चिन्नोनिया / पता - मुकेश ठाकुर, **जबलपुर** / मो. 9752034402

6. **प्रिया** /27-07-90/5'-4"/ M. A. (राजनीति विज्ञान) / कोचिंग कार्य / गौत्र- सांखला, जेठानिवा, बघेरवाल, कनेसरा / पता- महावीर प्रसाद सांखला, संगम विहार, बून्दी रोड़, **कोटा** / मो. 9660671766

7. **आशा** /11-03-94/5'-6"/ मांगलिक / B.Com. MA (English), D.Ed./ गौत्र- प्राईवेट स्कूल में अध्यापन / गौत्र- दलोवर, खटोतिवा, भावड़ा, चिन्डोनिया / पता- राजेन्द्र सिंह, **मुरैना** (म.प्र.)/ मो. 7440576088

8. **रवीना** /11-09-94/ 5'-4"/ M.A. (गृह विज्ञान)/ गौत्र- जोशी, गड्या, गुजरानिया, घंटाल / पता- धर्म कुमार जोशी, सी-38, इन्द्र विहार, कोटा (राज.) / मो. 7742368225

9. **श्वेता** /11-03-94/5'-5"/ M.A. in Applied Mathematics / Sr. Data Analyst / गौत्र- सिसोदिया, नागर / पता- योगेन्द्र कुमार छीपा, सुभाष नगर, **भीलवाड़ा** (राज.) / मो. 9928267707, 9929525363

10. **श्रेया** / 14-04-92/ 5'-2"/ **मांगलिक**/ M.Tech. (C.S.) / सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर (सोफ्टेक कं. पुणे) / गौत्र- मारवाल, तोनगर्या, आसरमा, मंडीवाल / पता- श्री ओम प्रकाश नामा, जयहिन्द नगर, **कोटा** / मो. 9660772918

11. **दिव्या** / 17.03.91/5'-1"/M.Com. B.Ed. / प्राईवेट टीचर / गौत्र - आसरमा, हलकारा, गंगवाल, गड़िया / पता- निर्मल श्रेष्ठी, महावीर नगर विस्तार, **कोटा** (राज.) / मो. 9602553902

12. **नेहा** /11-08-93/5'-5"/ B.Tech. (Honors) (कम्प्यूटर साइंस) इन्फोसिस टोरेन्टो (कनाडा) में टेक्नोलॉजी एनालिस्ट / इन्हीं की छोटी बहिन..

13. **प्रिया** /13-08-97/5'-8"/ M.Sc. (केमेस्ट्री)/ गौत्र- तोनगर्या, खंडेलवाल, जाजपुरा, मेड़तवाल / पता- लक्ष्मीकांत नामा, 3-W-46, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** (राज.) / मो. 8239847560 फोन (0291) 2730346

14. **अदिती** / 11-8-93/ 5'-2"/ M.Com. /JVVNL में कामर्शियल असिस्टेन्ट / गौत्र-तोनगर्या, सरावगी, बाकलीवाल, सोरनिया / पता- नारायण लाल नामा, बसंत विहार स्पेशल, **कोटा** / मो. 9468667109, 8769231331

15. **रिमझिम** / 19-08-95/5'-2''/ B.E. (C.S.) (अध्ययनरत) / गौत्र - मालीवाल, अंछेरा, बड़गूजर, देशमा / पता - यशवन्त मालीवाल, 160, जवाहर नगर, **नीमच** / मो. 9424071421

16. **शिखा** /05-01-90/ M.Sc., Ph.D. in C.S./ अध्ययनरत / गौत्र- उज्जैनिया, दलोदरा, दूनीवाल, तोनगर्या / पता- भुवनेश प्रसाद उज्जैनिया, **होशंगाबाद** (**भोपाल**) / मो. 9926508785, 7999354454

17. **श्वेता** /28-03-91/5'-6''/ B.E. (Agri.)/ JEn. वाटरशेड जोधपुर / इन्हीं की बहिन....

18. **रिषी** / 13-05-95/5'-4'' / B.E. (Mechenical) (अध्ययनरत) / दोनों के गौत्र- चौहान, पाटनी, गहलोत, भाटी / पता- प्रकाश चौहान, **जोधपुर**/ मो. 9413766333

19. **वर्षा** / 09-05-89/5'-3''/ M.Sc. (Micro. Bio. & Comp. Diploma) / गौत्र- कंजोलिया, पटवा, गोठानिया, धारीवाल / पता- कैलाश कंजोलिया, सूर्यनगर, **इंदौर** / मो. 9827019547

20. **अंजलि** /10-02-90/ 5'-5''/ M.Tech. (अध्ययनरत) / गौत्र- बहेड़ा, उदवाल, चिन्नोनिया, बरनेचा / पता- धर्मेन्द्र सिंह, **विदिशा** (म.प्र.) मो. 98935413474

21. **मनीषा** /25-06-91/ 5'-2''/ B.Arch. / गौत्र- भांवरिया, गोठानिया, सतूनिया, मालीवाल/ पता- वेद प्रकाश नामा, न्यू नाकोड़ा कॉलोनी, **बारां** (राज.)/ मो. 9414190653

22. **खुशबू** /27-06-90 /5'-1''/ M.Sc., B.Ed. / प्राईवेट कॉलेज में व्याख्याता / गौत्र- बाकलीवाल, पीलीवाल, राईवाल, नागर / पता- सोहन लाल, कल्याण कॉलोनी, **कोकड़ी** (राज.)/ मो. 9414430173

23. **निधि** /23-07-92 /5'-5''/ तलाकशुदा/ M.A., B.Ed., (अध्ययनरत) / गौत्र- आछेरा, पटवा, धनोपिया, मेड़तवाल / पता- ओम प्रकाश, पुरानी **केकड़ी** (अजमेर)/ मो. 9269050858

24. **शीतल** /23-12-83 /5'-3''/ **मांगलिक** / M.A., M.Sc., Ph.D./ असिस्टेन्ट प्रोफेसर / गौत्र- मालीवाल, भरसूण्डा, बघेरवाल, चांचेड़िया / पता- के. सी. श्रीमाल, विधुर नगर, **इंदौर** / मो. 7697575606, 2826657260

25. **नेहा** /25-03-93/5'-4''/ M.Com., B.Ed. / गौत्र- मालीवाल, धूमस, आसावलिया, मुल्तानिया / पता- ललित मालीवाल, कुन्हाड़ी, **कोटा** (राज.)/ मो. 9413470769

26. **ऐश्वर्या** / 28-02-93/5'-3''/ M.Tech. (C.S.) / व्याख्याता / गौत्र- गुजरानिया ,बाड़ीका, आसरमा, खींची / पता- लक्ष्मीनारायण नामदेव, **ब्यावरा** (म.प्र.)/ मो. 9414939841, 9424489235

27. **दीक्षा** /25-11-94/ 5'-4''/ B.A. पोलोटेक्निक (कामर्शियल आर्ट) / ब्यूटी पार्लर / गौत्र - सांखला, आशर्मा, जेठानिया, आसावलिया / पता- राजेश नामा, अग्रसेन नगर, **कोटा** / 9414231077, 9928337940

28. **कृष्णा** / 15-09-86 / 5'-2''/ MBA, M.Com. / प्राईवेट कं. में फाइनेंस ऑफिसर / गौत्र- बघेरवाल, सरावगी, सांखला, बाड़ीका / पता- पुरूषोत्तम नामा, गुरूद्वारा के पीछे, कोटा रोड़, **बारां** (राज.)/ मो. 8588864234, 9958999353

29. **अपराराज** /09-09-89/ 5'-3''/**मांगलिक**/ M.Sc. (Bio. Tech.) / M.Sc. (C.S.) / गौत्र- कामेवार, सांवरिया, तोनगर्या, मालेवार / पता- डॉ. रंजन कुमार वर्मा, जगतपुरा, **जयपुर** (राज.)/ मो. 9664291528, 9414397942 (शेष भाग पृष्ठ 22 पर)

देवास : सामुहिक विवाह एवं डिजीटल परिचय सम्मेलन : दि. 7-8 नवम्बर 2019

कोटा : नामदेव अन्नकूट महोत्सव–2019

कोटा में संत नामदेव आई.टी.आई. भवन में दिनांक 9 व 10 नवम्बर 2019 को आयोजित चतुर्थ अन्नकूट महोत्सव, कवि सम्मेलन, दीपावली मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह की सचित्र झलकियां

कोटा : श्री नामदेव कल्याण समिति –वार्षिक आमसभा : दिनांक 5–1–2020

झालावाड़ : जनगणना निर्देशिका विमोचन एवं परिचय सम्मेलन : 08-12-2019

बून्दी : सामूहिक विवाह सम्मेलन : 08-11-2019

मथुराः चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह सम्पन्न

मथुरा। गोहिल क्षत्रिय (छीपी) समाज, मथुरा द्वारा दिनांक 7-8 नवम्बर 2019 को चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन व मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह हनुमान वाटिका मथुरा पर धूम-धाम से सम्पन्न हुआ। दिनांक 7 नवम्बर को बैंड बाजों के साथ कलश शोभा यात्रा ठा. बिहारी जी मंदिर कच्ची सड़क से आरम्भ हुई। इस यात्रा में मुख्य कलश के अलावा 120 स्वजातीय महिलाओं ने सुसज्जित स्टील के कलश धारण किये हुये थे। श्री गणेश जी व संत शिरोमणि नामदेव जी की झांकियां शोभा यात्रा को आकर्षक बना रही थी। वहीं समाज की समस्त महिलाओं, बच्चों तथा पुरूषों का जन समूह भी साथ-साथ चल रहा था। शोभा यात्रा का रास्ते में जगह-जगह मथुरावासियों द्वारा पुष्पवर्षा तथा जलपान आदि से स्वागत किया गया।

आयोजन के दूसरे दिन दिनांक 8 नवम्बर को सुबह बैंडबाजों के साथ वर शोभायात्रा बोहरे जी की तैल मिल सरस्वती कुण्ड से समारोह स्थल के लिये प्रारम्भ हुई। वाटिका पर कन्या पक्ष के पाण्डालों पर तोरण मारने की रस्म के उपरान्त विद्वान पंडितों द्वारा सनातन धर्मानुसार जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न कराया गया। मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार (लोहे वाले) (अलीगढ़), कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र नईवाल (उज्जैन वाले), सांगानेर, अति विशिष्ठ अतिथि श्री भगवत प्रसाद रूहेला, (भू.पू. अध्यक्ष नगर पालिका कोसी), श्री महेन्द्र राजपूत (सेलम वाले) आगरा, मुख्य वक्ता व सम्मेलन समिति के महामंत्री श्री अमीचन्द धनोपिया (नौहझील वाले), श्री हेमराज देशमा (समिति अध्यक्ष), श्री चिरन्जीलाल (सम्मेलन अध्यक्ष), श्री किशन सिंह राजपूत समिति महामंत्री व श्री के.पी. सिंह (भू.पू. एस.डी.एम.) वरिष्ठ संरक्षक द्वारा संत नामदेव के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर मंचीय कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

सर्वप्रथम जिले के लगभग दो दर्जन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को, जिन्होंने 2019 की हाईस्कूल एवं इण्टर (75 प्रतिशत से अधिक अंक) परीक्षा तथा डिप्लोमा, स्नातक व स्नातकोत्तर की, परीक्षाएं उत्तीर्ण की, उन्हें प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शाम को पाणिग्रहण संस्कार के बाद मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा नव दम्पत्तियों के सुखद दाम्पत्य जीवन की कामनाओं के साथ शुभाशीर्वाद देते हुए विवाह प्रमाण पत्र वितरित किये गये। समिति तथा समाज बन्धुओं द्वारा नव-दम्पत्तियों को वस्त्राभूषण एवं गृहस्थी में उपयोगी वस्तुएं भेंट की गई।

महामंत्री श्री किशन सिंह राजपूत ने अपने संबोधन में इस आयोजन की सफलता का श्रेय सभी स्वजातीय बंधुओं को दिया। उन्होंने संत नामदेव छीपी सेवा समिति मथुरा के योगदान की भी सराहना की। मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार (लोहे वालों) के आशीर्वचन तथा श्री हेमराज देशमा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। जय नामदेव!

– किशन सिंह राजपूत, महामंत्री
मथुरा (उ.प्र.), मो. 9457417877

शेष भाग - सम्बन्ध योग्य युवक..

29. **आकाश** /21-09-91 /M. Com., कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्किंग इंजीनियर / जिला न्यायालय मुरैना में स्टेनोटाइपिस्ट / गौत्र - डिग्गीवाल, भावड़ा, चिन्नोनिया, गुजरानिया / पता- शिव सिंह राजपूत, **मुरैना** (म.प्र.) / मो. 7415804833, 9752479347

30. **कुलदीप** /29-12-90/ 5'-10''/ MBA / प्राईवेट बैंक में जॉब / गौत्र - मेड़तवाल, जोशी, मारवाल, सरावगी / पता- हरि शंकर नामा, **मंडाना** (कोटा-राज.) / मो. 73404-32507

31. **कुणाल** / 08-08-91 / 5'-3'/ B.Sc. (प्रथम वर्ष) / खान विभाग में LDC / गौत्र- गंगवाल, बरग, जेठानिया, सन्धावा / पता- श्रीमती सावित्री धर्मपत्नी स्व. श्री रमेश चन्द्र गंगवाल, 126, कम्पीटीशन कॉलोनी, महावीर नगर तृतीय, **कोटा** (राज.)/ मो. 8764312314, 9928483499

32. **प्रखर** /29-08-92/5'-10''/ B.Tech. (Civil) कोटा में सिविल इंजीनियर / गौत्र- बरग, मण्डकला, नाफड़िया, बन्दीवाल / पता- सत्यनारायण नामा, दादाबाड़ी विस्तार, कोटा (राज.)/ मो. 9460567652, 9079900947

शेष भाग - सम्बन्ध योग्य युवतियाँ..

30. **अंकिता** /30-11-94/ 5'-5''/ M.Com. B.Ed. /गौत्र- नरबाण, धूमस, मेड़तवाल, तलाइच/ पता- कृष्ण गोपाल नरबाण, शाहपुरा (भीलवाड़ा) / मो. 8764016008

31. **सोनल** /04-08-94/5'-2''/M.A., B.Ed. (संस्कृत) RS-CIT., ब्यूटी पार्लर /प्राईवेट अध्यापक/ गौत्र- पीलिया, हलकारा, बरग, पाठक / पता- कन्हैयालाल नामा, **रामगंजमंडी** (कोटा-राज.)/ मो. 9680043275, 7878952730

32. **लोचन** /01-12-90/5'-4''/ M.A.(Hindi, Socioogy) B.Ed., M.Ed., RS-CIT./ गौत्र- बरग, मण्डकला, नाफड़िया, बन्दीवाल / पता- सत्यनारायण नामा, दादाबाड़ी विस्तार, कोटा (राज.)/ मो. 9460567652, 9079900947

33. **मीनाक्षी** /8-10-88/5'-4''/ M.Sc.(Agri.) सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंण्डिया कोटा में सर्विस / गौत्र- दोसाया, बरग, झड़िया, जोशी/ पता- रामस्वरूप दोसाया, भगवती निवास, म. नं. 1123, गली नं. 4, चौपड़ा फार्म, डडवाडा, **कोटा** (राज.)/ मो. 8963012134, 9588891709

आवश्यक सूचना

पत्रिका में नामदेव छीपा समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का वैवाहिकी विवरण निःशुल्क प्रकाशित किया जाता है। समाज बंधु अभिभावकों से अनुरोध है कि वैवाहिकी विवरण प्रकाशित करने के लिए कृपया युवक-युवतियों का नाम, जन्मतिथि, ऊंचाई, शैक्षणिक एवं प्रशैक्षिणिक योग्यता तथा रोजगार, व्यवसाय के संबंध में जानकारी भिजवावें। साथ ही चारों गौत्र (पिता, माता, दादी, नानी) तथा नामदेव छीपा समाज की खांप वर्ग का उल्लेख किया जाना भी जरूरी है।

बायोडेटा की सत्यता अभिभावक स्वयं अपने स्तर से ज्ञात कर संतुष्ट होवें। आवश्यकता होने पर सम्पादक भी उन्हें सत्यापित करवाने के लिये स्वतंत्र होगें। वैवाहिकी में प्रकाशनार्थ फोटाग्राफ नहीं भिजवावें। **बायोडेटा प्रकाशन के लिये विट्ठल नामदेव पत्रिका की सदस्यता अनिवार्य है।**

- प्रधान सम्पादक

भीलवाड़ा : प्रान्तीय युवा अधिवेशन : दिनांक 29-12-2019

मथुरा : सामुहिक विवाह सम्मेलन : दि. 7–8 नवम्बर 2019

टोंक : छीपा सप्तमी महोत्सव एवं सम्मान समारोह : दिनांक 23–8–2019

भीलवाड़ा में प्रांतीय युवा अधिवेशन सम्पन्न

युवाओं के लिए रोजगार पर की चर्चा

भीलवाड़ा। नामदेव युवा परिषद राजस्थान के तत्वावधान में विगत 29 दिसम्बर 2019 को भीलवाड़ा में राज्य स्तरीय प्रांतीय युवा अधिवेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। **'नौकर नहीं मालिक बनिए'** की थीम पर आधारित इस अधिवेशन में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए युवाओं तथा समाज के वरिष्ठजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अ.भा. नामदेव छीपा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा (कोटा) ने की। श्री विट्ठल नामदेव छीपा समाज प्रांतीय महासभा के अध्यक्ष श्री जगदीश श्रेष्ठी, भाजपा जिलाध्यक्ष भीलवाड़ा श्री लादू लाल तेली एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल समारोह के मुख्य अतिथि थे।

अधिवेशन का शुभारंभ संत नामदेव के चित्र के सम्मुख मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। तत्पश्चात युवा परिषद की भीलवाड़ा इकाई तथा नामदेव युवा मंच संस्था के पदाधिकारियों ने मंचासीन अतिथियों को उपरना पहनकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र गंगवाल एवं जिलाध्यक्ष भीलवाड़ा डॉ. राजेन्द्र छीपा ने शाब्दिक स्वागत उद्‌बोधन दिया।

अधिवेशन में **'समाज के विकास में युवाओं की भूमिका'** विषय पर युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक श्री सुदीप मेड़तवाल ने कहा कि युवाओं को पारंपरिक रोजगार के साथ-साथ नए क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का उपयोग करते हुए अपना स्वयं का उद्योग लगाने के लिए भी आगे आना चाहिए। रंगाई एवं छपाई कला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक श्री अवधेश पाण्डे (जयपुर) ने **युवाओं के लिए रोजगार के अवसर** विषय पर अपनी वार्ता में छीपा समाज के युवाओं के लिए पारंपरिक हस्तशिल्प रंगाई-छपाई उद्योग का महत्व बताया। उन्होंने युवाओं को जिला और तहसील स्तर पर नि:शुल्क प्रशिक्षण सुविधा, सरकारी ऋण सुविधा तथा तकनीकी मार्गदर्शन एवं मार्केटिंग की सुविधाएं उपलब्ध करवाने में पूर्ण मदद करने का आश्वासन भी दिया।

अधिवेशन में कार्यरत संगठन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक श्री हनुमान सहाय जाजपुरा (बगरू) ने **संगठनात्मक प्रबंधन** विषय पर युवाओं का आव्हान करते हुए कहा कि वे समाजहित को सर्वोपरि मानते हुए ही कार्य करें। व्यक्ति निष्ठ आस्था की प्रवृत्ति समाज और संगठन को नुकसान पहुंचाने वाली होती है। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज को और अधिक संगठित कर विकास के नये आयाम छूने हेतु युवाओं को उत्प्रेरित किया। जिला उद्योग केन्द्र के उद्योग प्रसार अधिकारी श्री आर.पी. नामा ने अपने उद्‌बोधन में केन्द्र एवं राज्य सरकार की स्वरोजगारपरक योजनाओं तथा ऋण, अनुदान एवं प्रशिक्षण सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

उद्‌बोधन :- प्रांतीय अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा ने अपने उद्‌बोधन में अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा द्वारा

विभिन्न कार्य उद्देश्यों के लिए स्थापित सत्रह प्रकोष्ठों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार की ओर अधिक ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। श्री वर्मा ने समाज में सोशल मीडिया के दुरूपयोग पर चिन्ता व्यक्त करते हुए इसके दुष्प्रभावों की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया और इसे रोकने में सहयोग की अपील थी। उन्होंने युवा अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए प्रांतीय युवा परिषद, भीलवाड़ा इकाई तथा युवा मंच की पूरी टीम को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी, अतिविशिष्ठ अतिथि श्री लादूलाल एवं श्री दामोदर अग्रवाल ने युवा अधिवेशन के सफल आयोजन एवं नामदेव समाज की रचनात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए समाज को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय प्रचार मंत्री श्री रामस्वरूप अजमेरा (कोटा), विधि प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पी.एल. छीपा (उदयपुर), जयपुर के जिलाध्यक्ष श्री राम सोपरा, मध्य प्रदेश युवा परिषद के उपाध्यक्ष श्री राजेश नामदेव (मंदसौर), कोटा के जिलाध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव, पूर्व संभागीय महामंत्री श्री नवल खण्डेलवाल (कोटा), संभागीय युवा अध्यक्ष जयपुर श्री रामविनोद अंछारा, कोटा के युवा जिलाध्यक्ष श्री कपिल नामा, सवाई माधोपुर के युवा अध्यक्ष श्री लोकेन्द्र नामा तथा जोधपुर के समाजसेवी श्री बंशीलाल पंवार ने भी अपने विचार व्यक्त किये और युवाओं को समाजोत्थान के कार्यों हेतु प्रेरित किया।

सम्मान– इस अवसर पर भीलवाड़ा के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष श्री लादूलाल तैली, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल, पूर्व शहर अध्यक्ष भाजपा श्री राकेश ओझा, फड़ चित्रकारी के क्षेत्र में राष्ट्रपति से पुरूस्कृत भीलवाड़ा चित्रकार के सर्वश्री नंदन किशोर जोशी, कल्याण जोशी, प्रकाश जोशी, कैलाश जोशी एवं मुकुल जोशी तथा पावर लिफ्टिंग में स्वर्णपदक विजेता श्री ललित गोठानिया (कोटा) को सम्मानित किया गया। राजनैतिक क्षेत्र की प्रतिभाओं में पुष्कर के पार्षद श्री कैलाश श्रेष्ठी, ब्यावर के पार्षद श्री भारत बंदीवाल, असीन्द के भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री सत्यनारायण सरावगी, अजमेर शहर के उपाध्यक्ष श्री संजीव नागर तथा बसपा के भीलवाड़ा जिला प्रभारी श्री राजेन्द्र झड़िया को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ के संयोजक श्री सुदीप मेड़तवाल को पुर एवं आसींद के युवाओं ने विशेष रूप सम्मानित किया।

समारोह में मंचासीन अतिथियों में सर्वश्री कालूलाल जड़िया (चित्तौड़) श्री नरेन्द्र गहलोत (नागौर), श्री सत्यनारायण नईवाल (अजमेर), लक्ष्मीचंद अजमेरा (पूर्व संभागीय अध्यक्ष-कोटा), सत्यनारायण परिहार (जोधपुर), डॉ. श्याम शुक्ला (भामाशाह - जयपुर), रमेश शास्त्री (जयपुर) तथा राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए युवा मंडलों के पदाधिकारियों, समाज सेवियों एवं भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया।

प्रांतीय युवा अधिवेशन की सफलता के लिए राष्ट्रीय महामंत्री मेजर जे.पी. वर्मा (बड़ौदा), जिला न्यायाधीश श्री आर.डी. रोहिला, पुलिस अधीक्षक श्री अनिल टांक तथा आगरा के जिलाध्यक्ष श्री विनय सिंह द्वारा प्रेषित शुभकामना एवं बधाई संदेशों का वाचन किया गया।

केकड़ी में रक्तदान शिविर सम्पन्न

केकड़ी। श्री नामदेव छीपा युवा महासभा समिति जिला अजमेर इकाई के तत्वावधान में 19 जनवरी 2020 को केकड़ी में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 85 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर में पीसांगन, किशनगढ़, सरवाड़, ब्यावर, केकड़ी, अजमेर, जूनिया, कादेड़ा, विजय नगर, पुष्कर आदि स्थानों से आए युवाओं ने सेवाऐं दी और रक्तदान किया।

इस अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया, जिसमें पार्षद श्री कैलाश श्रेष्ठी (पुष्कर), श्री अमृत लाल गोठरवाल (ब्यावर), श्री पवन दोसाया (झड़ोल), श्री राजेश पीलिया (पीसांगने) को सम्मानित किया गया। शिविर को सफल बनाने में महामंत्री दिनेश गोठरवाल की टीम की भूमिका बहुत सराहनीय रही।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक गोठरवाल थे। कार्यक्रम में महिला मंडल का कार्य भी सराहनीय रहा। अध्यक्ष श्री रामकिशन जोशी ने सभी रक्तदाताओं, मेडीकल टीम, अतिथियों तथा युवा परिषद एवं महिला मण्डल की टीमों का आभार व्यक्त किया। ❑❑

चित्र प्रदर्शनी :- अधिवेशन स्थल पर संत नामदेव से सम्बन्धित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा ने किया। भीलवाड़ा के वरिष्ठ समाजसेवी श्री हरकलाल मलकरा ने इस प्रदर्शनी को तैयार कर आयोजन स्थल पर अवलोकन हेतु प्रदर्शित किया। अन्त में प्रांतीय युवा अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगी संस्थाओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवेशन प्रभारी श्री चन्द्र प्रकाश अमरवाल ने किया।

- चन्द्र प्रकाश अमरवाल
अधिवेशन प्रभारी, भीलवाड़ा
मो. 7976338837

❑❑

नोट : कृपया आयोजन के छाया चित्र रंगीन पृष्ठ पर देखें।

चित्तौड़गढ़ : नामदेव सर्किल पर हुआ जयन्ती समारोह

चित्तौड़गढ़। श्री नामदेव छीपा समाज, विकास संस्थान एवं जिला हितकारिणी सभा चित्तौड़गढ़ के संयुक्त तत्वावधान में देव प्रबोधिनी एकादशी पर 8 नवम्बर 2019 को चित्तौड़ में श्री नामदेव सर्किल पर गंभीरी नदी के तट पर संत शिरोमणि श्री नामदेव जी की 749 वीं जयन्ती हर्षोल्लास व उमंग के साथ समाजजनों द्वारा मनाई गई। समाज बंधुओं ने सर्कल पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया तथा प्रसाद का वितरण किया। साथ ही संत नामदेव महाराज के जीवन के प्रेरक प्रंसगों का स्मरण करते हुए उनके द्वारा देश व समाज हित में दी गई शिक्षाओं को आत्मसात करने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम स्थल पर नगर सभा के अध्यक्ष श्री बंशीलाल नागर, महामंत्री श्री मदन लाल झड़िया, कोषाध्यक्ष श्री घनश्याम लाल आछेरा, हितकारिणी सभा के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गंगवाल, कोषाध्यक्ष श्री लहरी लाल श्रेष्ठी, युवा अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार खींची व सुरेश तथा अन्य कई समाज बंधु उपस्थित रहे।

– कालू लाल जड़िया
चित्तौड़

अनुरोध

कोटा। पत्रिका के आगामी अंकों में समाज के प्रमुख स्थानों के डॉक्टरों की सूची का प्रकाशन किया जायेगा। अत: नामदेव छीपा समाज के दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, इन्दौर, भोपाल, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा आदि महानगरों में पदस्थापित/कार्यरत, एलोपैथिक, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सक बन्धु हमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर वांछित जानकारी जर्ये वाट्सअप अथवा ईमेल से भिजवाने का कष्ट करें :- (1) चिकित्सक का नाम (2) निवासी (3)योग्यता (4) ब्रांच/विषय (5) चिकित्सालय का नाम/निजी प्रेक्टिस, (6)मोबाईल नं., (7) ईमेल पता इत्यादि।

निवेदक – घनश्याम वर्मा
प्रधान सम्पादक एवं राष्ट्रीय महामंत्री
WA मो. 9413364741
Email :v.namdevpatrika@gmil.com

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामनाएं

श्री हरिशंकर नामा (मेड़तवाल)

निवासी - मण्डाना (कोटा) को वन रक्षक,
कार्यालय उपवन संरक्षक, मुकुन्दरा राष्ट्रीय उद्यान, कोटा से
37 वर्ष की सेवाएं सफलतापूर्वक पूर्ण कर
दिनांक 31जुलाई 2019 को सेवानिवृत्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं।

श्री हरिशंकर नामा (मेड़तवाल)

श्री कुलदीप नामा

पुत्र श्री हरिशंकर नामा को
प्राइवेट बैंक कोटा में सेवारत
रहने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामनाएं।

श्री कुलदीप नामा (MBA)
DOB : 29-12-1990

शुभेच्छु :

श्रीमती उर्मिला देवी (धर्मपत्नी), रविन्द्र कुमार–श्रीमती राजकुमारी (पुत्र–पुत्रवधु), अंजना–खेमराज जी समेलिया (कुन्हाड़ी), रंजीता–श्याम जी सोपरा (बारां), सविता–सोनू जी (के.पाटन) (पुत्री–दामाद), गौरवी (पौत्री), खुशी, राशि, मान्या (दोहित्री), भावार्थ (दोहित्र), राधेश्याम नामा– श्रीमती केसर बाई (अग्रज दम्पत्ति), पवन कुमार–श्रीमती लाली, राजेन्द्र–श्रीमती संध्या (भतीजा दम्पत्ति), प्रेमराज नामा–श्रीमती मंजू (अनुज दम्पत्ति), अंकित (भतीजा), अंजलि (भतीजी) एवं समस्त मेड़तवाल परिवार।

प्रतिष्ठान -

नामा मोबाइल एण्ड कम्युनिकेशन सेन्टर

बस स्टेण्ड, मण्डाना (जिला कोटा–राज.)
प्रो. रविन्द्र कुमार नामा - मो.: 9950317216

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन !

स्व. श्रीमती रामकन्या बघेरवाल

(सेवानिवृत्त उपनिदेशक, शिक्षा विभाग)

धर्मपत्नी श्री रामगोपाल बघेरवाल

जन्मतिथि : 6-4-1935

बैकुण्ठवास : 1-10-2019

स्व. श्री आशुतोष बघेरवाल

पुत्र श्री रामगोपाल बघेरवाल

जन्मतिथि : 2-8-1961

बैकुण्ठवास : 10-12-2018

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम पूज्यनीय ! हम सभी परिवारजन आपको अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपिता परमेश्वर से आपकी पावन आत्मा को चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हैं।

ॐ शांति !!

शोकाकुल -

रामगोपाल बघेरवाल (पति/पिता), श्रीमती वीना बघेरवाल (धर्मपत्नी स्व.श्री आशुतोष बघेरवाल), अभिषेक व अभिलाष बघेरवाल (पौत्र/पुत्र) श्रीमती शैलजा-श्री नमोनारायण जी, श्रीमती शिल्पा-श्री सतीश जी (पुत्री-दामाद) एवं समस्त बघेरवाल परिवार

निवास : 22, अर्पणा स्मृति, सरस्वती कॉलोनी, आशीर्वाद मार्ग, खेड़ली फाटक, कोटा (राज.)
मो.: 7665784146, 9929293579 फोन : 0744-2323099

कोटा: हितैषी सभा की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

समाजसेवियों, भामाशाहों, प्रतिभाओं का सम्मान

कोटा। श्री नामदेव समाज-समाज हितैषी सभा कोटा की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 13 अक्टूबर 2019 को संत नामदेव आई.टी.आई. भवन कोटा के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता हितैषी सभा के संभागीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीचंद अजमेरा ने की। संचालन महामंत्री श्री नवल खण्डेवाल ने किया। बैठक में कोटा संभाग के सभी चार जिलों (कोटा, बूंदी, बारां एवं झालावाड़) के हितैषी सभा के सदस्यों, पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा युवा एवं महिला मण्डलों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

आम सभा की कार्यवाही संत नामदेव जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित तथा माल्यार्पण कर आरम्भ की गई। ईश वन्दना के बाद मंचासीन पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। महामंत्री श्री नवल खण्डेलवाल ने गत वर्ष दिनांक 21 अक्टूबर 2018 की साधारण सभा की कार्यवाही का वाचन किया, जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। आमसभा में हाड़ौती के चारों जिलों के एक-एक समर्पित समाजसेवी का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर भामाशाहों तथा अतिविशिष्ट प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। अध्यक्ष श्री लक्ष्मीचन्द अजमेरा ने अध्यक्षीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। कोषाध्यक्ष श्री पुरूषोत्तम मेड़तवाल ने वर्ष 2018-19 का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात खुले सत्र में समाज बन्धुओं ने अपने विचार प्रकट किये।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा शपथ ग्रहण

निर्वाचन-साधारण सभा की बैठक से पूर्व हितैषी सभा की कार्यकारिणी के चार प्रमुख पदों का निर्वाचन चुनाव अधिकारी श्री बृजेश जोशी (एडवोकेट) के निर्देशन में मतदान प्रणाली से सम्पन्न करवाया गया। चुनाव में अध्यक्ष पद पर श्री एच.एल. नामा (भंवर), वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर श्री चन्द्र प्रकाश बाड़िका (बारां), महामंत्री-श्री हंसराज नामा तथा कोषाध्यक्ष पद पर श्री योगेन्द्र बलरिया बहुमत से विजयी घोषित किये गये।

चुनाव अधिकारी श्री बृजेश जोशी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को आम सभा में शपथ ग्रहण करवाई।श्री लक्ष्मीचन्द अजमेरा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। अन्त में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव ने आम सभा में पधारे सभी पदाधिकारियों तथा सभासदों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभा समाप्ति की घोषणा की ।

- हंसराज नामा

महामंत्री, हितैषी सभा, कोटा

झालावाड़ : नामा जनगणना निर्देशिका का विमोचन व वैवाहिकी परिचय सम्मेलन सम्पन्न

झालावाड़। नामदेव छीपा समाज जिला विकास संस्था झालावाड़ के तत्वावधान में झालावाड़ जिले की नामा जनगणना निर्देशिका-2019 का विमोचन समारोह तथा युवक-यवुती परिचय सम्मेलन 8 दिसम्बर 2019 को झालावाड़ में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहन लाल छीपा थे। अध्यक्षता राज. प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक गोठरवाल ने की। विशिष्ठ अतिथि मीना दीदी (संचालिका प्रजापिता ब्रह्म ईश्वरीय विश्व विद्यालय), राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा, संभागीय अध्यक्ष श्री एच एल नामा, प्रांतीय मंत्री श्री चंद्रदीप मेड़तवाल, जयपुर जिला अध्यक्ष श्री दिलीप छीपा, कोटा जिला अध्यक्ष श्री गोविंद नामदेव, बूंदी जिला अध्यक्ष श्री भारत नामा, चित्तौड़ के वरिष्ठ समाजसेवी श्री कालूलाल जड़िया, हितैषी सभा के कोषाध्यक्ष श्री योगेन्द्र बलरिया एवं मीडिया प्रभारी श्री धर्मेन्द्र बघेरवाल व श्रीमती मितलेश गोठरवाल सहित सभी पंचायतों के अध्यक्ष व विभिन्न स्थानों से आए समाज बंधुओं की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा निर्देशिका का विमोचन किया गया।

जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश नामा के साथ उनकी कार्यकारिणी के श्री कैलाश झड़िया, देवराज दोसाया, कैलाश टटवाड़िया, अक्षय नामदेव, योगेश झड़िया, सत्येन्द्र नामा, त्रिलोक नामदेव एवं महावीर नामा ने अतिथियों का माला पहनाकर, साफा, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। रंजीता नामा, राजकुमारी नामा, खुशबू नामा, सुनीता कंजोलिया व रश्मि झड़िया ने घूमर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसको सभी ने बहुत सराहा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहन लाल छीपा ने कहा कि इस प्रकार के परिचय सम्मेलन आयोजित होने से समाज में सम्बन्ध योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते तय करने में आसानी होती है। प्रांतीय अध्यक्ष अशोक गोठरवाल ने कहा कि आधुनिक जीवन शैली और समय के अभाव में हम हमारे युवक-युवतियों की ओर ध्यान नहीं दे पाते हैं और हर वक्त यही मन में सवाल रहता है कि सबसे पहले कहां से शुरूआत करें और हमें इसके लिए एक गांव से दूसरे गांव जाना पड़ता है, जिससे समय और पैसे की बर्बादी होती है, लेकिन आज हर समाजों द्वारा इस तरह के परिचय सम्मेलन आयोजित किए जा रहे, जिससे समय तो बचता ही है और साथ ही सभी युवक-युवतियों को जानने और पहचानने का मौका भी मिलता है। इस कार्य के जिला विकास संस्था बधाई की पात्र है।

अतिथियों द्वारा संस्था के अध्यक्ष ओम प्रकाश नामा, जिला महामंत्री देवराज दोसाया व कोषाध्यक्ष कैलाश टटवाडिया, जिला नवयुवक मंडल अध्यक्ष योगेश झड़िया, अक्षय नामदेव व महिला मंडल अध्यक्ष अनिता झड़िया को सम्मानित किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष अशोक गोठरवाल दम्पत्ति ने कुशल मंच संचालन के लिए श्री सत्येन्द्र नामा व श्रीमती रंजीता नामा को विशेष रूप से सम्मानित किया। अंत में जिला अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश नामा ने सभी अतिथियों, समाजबन्धुओं तथा समस्त व्यवस्थाओं के लिए पूरी कार्यकारिणी को बधाई व साधुवाद दिया।

- सत्येन्द्र नामदेव, सांस्कृतिक मंत्री, झालावाड़

नोट : कृपया आयोजन के छाया चित्र रंगीन पृष्ठ पर देखें।

कोटा : श्री नामदेव कल्याण समिति की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

'अब तक 400 सदस्यों को 8 करोड़ का ऋण मुहैया'

कोटा। श्री नामदेव समाज कल्याण समिति-110 कोटा की 19 वीं वार्षिक साधारण सभा 5 जनवरी 2020 को संत नामदेव आई.टी.आई. भवन कोटा में आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी ने सभा की अध्यक्षता की। शुभारंभ नामदेव जी की पूजा अर्चना और ईश वंदना से किया गया। सचिव बिरधीचंद नामा ने गत आमसभा 5.8.2018 की कार्यवाही का वाचन किया, जिसकी पुष्टी की गई। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक आमसभा में समिति के वरिष्ठ सदस्य सं. 401 से 450 कुल 50 सदस्यों का सम्मान किया गया।

अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसका व्यापक चर्चा के उपरान्त अनुमोदन किया गया। श्री श्रेष्ठी ने बताया कि वर्तमान में समिति की सदस्य संख्या 1302 है। वार्षिक टर्न ओवर लगभग 2 करोड़ रूपये है। समिति द्वारा अब तक 400 सदस्यों को लगभग 8 करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध करवाकर लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि समाज बन्धु समिति से लिए गए ऋण का उपयोग शिक्षा, मकान, शादी एवं स्वरोजगार आदि कार्यों में कर रहे हैं। सदस्यों से लिए जाने वाले मामूली ब्याज से प्राप्त आय को सदस्यों में लाभांश के रूप में वितरित कर दिया जाता है।

वार्षिक आमसभा में सदस्यों को 2019-2020 के लिए 6 प्रतिशत लाभांश तथा साधारण सभा में भाग लेने के लिए प्रति सदस्य 200/- रूपये मार्ग व्यय दिया गया। बैठक में अधिकतम हिस्सा राशि 60 हजार रूपये, तत्काल ऋण 10 हजार रूपये, सातों दिवस कार्यालय संचालन की व्यवस्था, वृद्धावस्था हितकारी पेंशन योजना हेतु अंशदान फण्ड देना आदि प्रस्ताव पारित किये गये। बैठक में कोषाध्यक्ष श्री धर्म कुमार जोशी ने वर्ष 2018-19 की आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. मोहनलाल छीपा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय महासभा द्वारा विभिन्न कार्य उद्देश्यों हेतु सत्रह प्रकोष्ठों का संचालन किया जा रहा है। शीघ्र ही एक और प्रकोष्ठ भी खोला जायेगा, जो देश में अन्य स्थानों पर कल्याण समिति (नामा बैंक) कोटा जैसी संस्थाओं की स्थापना के लिए प्रेरक एवं मार्गदर्शक की भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि कोटा की यह बैंक कल्याण समिति देश-प्रदेश में अनुकरणीय उदाहरण के रूप में मानी जायेगी। राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ के संयोजक श्री सुदीप मेड़तवाल, जयपुर जिला हितकारिणी समिति के सचिव श्री कुलदीप बोल्या, संरक्षक श्री रामस्वरूप अजमेरा, वरिष्ठ समाजसेवी श्री लक्ष्मीचंद अजमेरा ने भी अपना उद्बोधन दिया और रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किये।

आमसभा में विशिष्ठ अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा, कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष श्री मोहन लाल दोसाया, कोटा जिलाध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव, समाजसेवी श्री सत्यनारायण नईवाल (अजमेर), पुष्कर के वार्ड पार्षद श्री कैलाश श्रेष्ठी, जिला हितकारिणी उदयपुर के सचिव श्री सूर्य प्रकाश जोशी, रंगाई-छपाई प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक श्री अवधेश पाण्डे, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया तथा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती चंचल बघेरवाल मंचासीन रहे। संचालन सचिव बिरधी चंद नामा एवं कार्यसमिति सदस्य श्री नवल खण्डेलवाल ने किया।

- बिरधी चन्द नामा, सचिव-कल्याण समिति, कोटा

नोट : कृपया आयोजन के छाया चित्र रंगीन पृष्ठ पर देखें।

बूंन्दी में 11 युगल परिणय बन्धन में बंधे

बूंदी। श्री नामदेव छीपा समाज जिला विकास संस्था जिला–बून्दी के तत्वावधान में 51वाँ आदर्श सामुहिक विवाह सम्मेलन 8 नवम्बर 2019, को बून्दी में सम्पन्न हुआ । समारोह में 11 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार कराया गया । प्रात: विनायक स्थापना, माता पूजन, मण्डल व मौसाला से कार्यक्रम की शुरूआत हुई । चाक पूजन के बाद कलश यात्रा निकाली गयी । इसी दिन संत नामदेव जी का अवतरण उत्सव भी मनाया गया । दोपहर दो बजे अतिथियों एवं भामाशाहों का सम्मान किया गया। इसके पश्चात् स्वरूचिभोज का आयोजन हुआ। अपरान्ह निकासी निकाली गई, जिसमें बैण्ड बाजों के साथ कच्छी घोड़ी नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा । तत्पश्चापत शाम को पाणिग्रहण संस्कार के बाद आशीर्वाद एवं विदाई समारोह हुआ।

जिलाध्यक्ष श्री भारत नामा ने बताया कि सामुहिक विवाह की परम्परा से युवाओं को जोड़े रखने के लिये इस बार आयोजन को घर जैसी शादी का लुक दिया गया । वर–वधु की वरमाला का कार्यक्रम फिल्मी अंदाज में करवाया गया। ग्यारह जोड़ो की वर निकासी घोड़ों पर निकाली गयी । तौरण द्वार व वरमाला में अतिथियों का तिलक लगाकर व पुष्प देकर स्वागत किया गया । ड्रॉन से पाण्डाल में पुष्प वर्षा की गयी । पूरा परिसर पॉलिथीन मुक्त रखा गया। दुल्हा–दुल्हन को एक–एक पौधा लगाने का संकल्प दिलाया गया।

श्री भारत नामा ने बताया कि सामुहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य अतिथि राज. प्रान्तीय नामदेव छीपा समाज महासभा जयपुर के अध्यक्ष श्री अशोक गोठरवाल थे। अध्यक्षता नामदेव समाज–समाज हितैषी सभा कोटा के संभागीय अध्यक्ष श्री एच.एल. नामा (भंवर) ने की । विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी श्री चौथमल जेठानिया (बून्दी का गौठड़ा वाले), जिला महामंत्री श्री योगेश जोशी, हितैषी सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चन्द्रप्रकाश बाड़ीका, महामंत्री श्री हंसराज नामा, कोषाध्यक्ष श्री योगेन्द्र कृष्ण बलरिया एवं बारां जिलाध्यक्ष श्री सत्यनारायण डीडोत थे। कार्यक्रम में पीपल्दा विधायक श्री रामनारायण मीणा ने भी नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया ।

जय नामदेव!

नोट : कृपया आयोजन के छाया चित्र रंगीन पृष्ठ पर देखें।

आवश्यक सूचना

- कोटा। श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका के कतिपय सदस्यों की पत्रिकाऐं वापस लौटकर आ जाती हैं। कुछ सदस्यों की तो बार बार लौटकर आ जाती हैं, जिनके लौटकर आने का कारण भी हमें ज्ञात नहीं हो पाता। अत: ऐसे महानुभावों से हमारा अनुरोध है कि यदि उन्हें पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया सदस्यता क्रमांक के साथ हमसे फोन पर सम्पर्क करने का कष्ट करें, ताकि सूचीबद्ध पते से आपके वर्तमान पते का मिलान किया जा कर पत्रिका नहीं मिलने के कारण का निवारण किया जा सके।

सम्पर्क सूत्र :- – **घनश्याम वर्मा**, प्रधान सम्पादक मो. 9413364741

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन !

जन्मतिथि :
22-7-1941

वैकुण्ठवास:
22-11-2019

स्व. डॉ. जगदीश चन्द्र गहलोत

सेवानिवृत्त पी.एम.ओ., राजकीय सआदत अस्पताल, टोंक (राज.)

- चिकित्सा क्षेत्र में पचास वर्षो से भी अधिक समय तक उल्लेखनीय सेवाएं दी।
- टोंक जिला नामदेव छीपा समाज के संरक्षक सदस्य।
- राजस्थान प्रांतीय छीपा महासभा के संरक्षक सदस्य।
- विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थाओं से सम्बद्ध और सेवार्पित।
- अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर दि. 1 अक्टूबर 2016 को राजस्थान सरकार द्वारा राज्य स्तर पर सम्मानित।
- जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2016 को जिला प्रशासन टोंक द्वारा सम्मानित।
- नागरिक जागृति संस्थान टोंक द्वारा सम्मानित।
- एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इण्डिया राजस्थान चेप्टर द्वारा वर्ष 1997 में सम्मानित।

परम पूज्यनीय ! हम सभी परिवारजन आपको अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपिता परमेश्वर से आपकी पावन आत्मा को चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हैं। ॐ शांति !!

शोकाकुल -

रामेश्वर गहलोत (भ्राता), डॉ. प्रदीप-श्रीमती मंजू, शैलेन्द्र-श्रीमती राजेश्वरी (पुत्र-पुत्रवधु) अक्षत, वैभव, हार्दिक, कनिष्का (पौत्र-पौत्री), श्रीमती अंजू-उत्तमपाल जी पहाड़िया (उदयपुर), श्रीमती उषा-किरण कुमार जी चौहान (अहमदाबाद) (पुत्री-दामाद), जतिन, चिन्मय, मौनिश, स्तुति, आयुषी, (दोहिता-दोहिती) एवं समस्त गहलोत परिवार-टोंक

+ गहलोत नर्सिंग होम एण्ड सी.टी. स्केन सेन्टर +

पता : मेहंदी बाग, पटेल सर्किल के पास, टोंक (राज.)
मो.: 9414334267, 7869999061

20वीं पुण्यतिथि : दिनांक 2-10-2019

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन !

स्व. श्रीमती कमला देवी नामा

W/o श्री रामनारायण नामा (टोंक)

बैकुण्ठवास : 2 अक्टूबर 1999

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

दिन बीते वर्ष बीते, बीत गए अनमोल पल।
जिनकी यादों तले महकता है घर आंगन प्रतिपल॥

स्व.श्रीमती कमला देवी नामा को 20 वीं पुण्यतिथि पर परिवारजनों का शत्-शत् नमन।

श्रद्धावनत -

रामनारायण नामा (पति), अरूण नामा (लेखाधिकारी)-श्रीमती विमला, अरविन्द नामा (सहा. लेखाधिकारी)- श्रीमती सुनयना, अनिल-हेमलता, आनंद-अंजू (पुत्र-पुत्रवधु), अनुराधा-सूरज जी (निजी सचिव) (पुत्री-दामाद), विकास, राहुल, यशवन्त, पुनीत, खुशवन्त (पौत्र), आरती-सुनील जी, नीलम-गोविन्द जी, भारती-रोहित जी (पौत्री-दामाद), महक (पौत्री), प्रकाश-पूजा (दोहिता-वधु) प्रीति (दोहिती), मिष्टी एवं भव्य (पौत्री के पुत्री व पुत्र) एवं समस्त गड्या परिवार टोंक (राज.)

निवास : जामा मस्जिद के पास, पुरानी टोंक (राज.)
मो.: 9460721385, 9414642910

बारां : जिला विकास संस्था की नवीन कार्यकारिणी घोषित

श्री सत्यनारायण डीडोत अध्यक्ष तथा श्री रामबाबू बघेरवाल महामंत्री निर्वाचित

सत्यनारायण डीडोत

बारां। श्री नामदेव समाज जिला विकास संस्था बारां (राज.) के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष श्री सत्यनारायण डीडोत ने अपनी कार्यकारिणी घोषित कर दी है। वर्ष 2019-21 की अवधि के लिए घोषित कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर पदाधिकारी एवं सदस्यगण मनोनीत किये गये है। जिला कार्यकारिणी में मनोनीत प्रमुख पदाधिकारीगण निम्नानुसार हैं :- अध्यक्ष - श्री सत्यनारायण डीडोत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार बघेरवाल, महामंत्री- श्री रामबाबू बघेरवाल, कोषाध्यक्ष - श्री बसन्त कुमार सतूनिया तथा संयोजक - श्री दोजमल बघेरवाल। उपाध्यक्ष - सर्वश्री हंसमुखराय दोल्या, बुद्धि प्रकाश सतूनिया, रमेश चन्द बाड़ीका (अन्ता), रघुनंदन बरग (सीसवाली), दिनेश मारवाल (बम्बोरी), रामस्वरूप दोल्या (बड़ौदा), रामावतार मेड़तवाल (श्योपुर), खेमराज जाजपुरा (छीपा बड़ौद), नरेश कुमार असरमा (छाबडा), जगदीश प्रसाद उदयवाल (जलवाड़ा) एवं मनोहर लाल सामरिया (अटरू)।

कार्यकारिणी में रामस्वरूप आसरमा को मंत्री, श्री सत्यनारायण बघेरवाल को सह-कोषाध्यक्ष, श्री चन्द्रप्रकाश बाड़ीका को संगठन मंत्री, अरविन्द बघेरवाल को विधि मंत्री,

रामबाबू बघेरवाल

श्याम बिहारी मेड़तवाल को सांस्कृतिक मंत्री, बाबू लाल बाकलीवाल को प्रचार मंत्री तथा मुकेश खण्डेलवाल (केलवाड़ा) को जिला प्रवक्ता मनोनीत किया गया है।

जिला कार्यकारिणी में 35 समाज सेवियों को कार्यकारिणी सदस्य पदों पर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार सर्वश्री कमल प्रकाश सोपरा, रामचन्द्र उदयवाल, ओम प्रकाश मेड़तवाल, प्रभूदयाल बघेरवाल (छीपा बड़ौद) एवं रमेश चन्द जगरवाल को संरक्षक सदस्य बनाया गया है।

श्री पुरूषोत्तम आसरमा को युवा संगठन बारां का जिलाध्यक्ष तथा श्रीमती गायत्री नामा को महिला जिलाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया है।

– रामबाबू बघेरवाल
महामंत्री-बारां (राज.)

❑❑

निवेदन : कृपया प्रकाश्य सामग्री वाट्सअप से नहीं भिजवाऐं

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि कृपया इस पत्रिका में प्रकाशनार्थ प्रेषित की जाने वाली सामग्री एवं फोटोग्राफ ई-मेल अथवा डाक से प्रेषित किये जावे। वाट्सअप से प्रेषित की जाने वाली सामग्री का उपयोग पत्रिका में किया जाना संभव नहीं है। **प्रधान सम्पादक, मो. 9413364741 E-mail : v.namdevpatrika@gmail.c.com**

अ.भा.नामदेव क्षत्रीय महासंघ की बैठक सम्पन्न

डॉ. नारायण गणपतराव पाथरकर निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

अमरावती दिल्ली। अखिल भारतीय श्री नामदेव क्षत्रिय महासंघ (मु.) नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 18 अगस्त 2019 को अमरावती (महाराष्ट्र) में सम्पन्न हुई। बैठक में देश के 18 राज्यों के वरिष्ठ समाज सेवी सम्मिलित हुए। बैठक में मूर्तिजापुर (जिला आकोला महाराष्ट्र) निवासी समाज रत्न डॉ. नारायण गणपतराव पाथरकर सर्वसम्मति से निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गये।

बैठक में समाजसेवी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग घटकों /गुटों में बंटे हुए नामदेव समाज को एकता के सूत्र में बांधा जाए, ताकि समाज को राजनीतिक, आर्थिक, प्रशासनिक न्यायिक अधिकार मिल सके। पूरे भारत वर्ष में नामदेव अनुयायियों की संख्या पांच करोड़ से अधिक है, परन्तु इस अनुपात में हमारी भागीदारी नगण्य है।

बैठक में यह भी प्रस्ताव रखा गया कि वर्ष 2020 में संत नामदेव जी 750 वीं जयन्ती होने से इस वर्ष को संत नामदेव वर्ष के रूप में मनाया जावे। एक जलती हुई मशाल पूरे देश में भेजी जावे, जो पंढरपुर से आरंभ होकर संपूर्ण भारत में विभिन्न स्थानों पर पहुंचे और समाज की एकता का माध्यम बने।

बैठक में महासंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पी.के.लालगे (हुबली-कर्नाटक), कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ज्वाला प्रसाद नामदेव (बिलासपुर-छ.ग.), सरंक्षक योगाचार्य के. एल. नामदेव (रायपुर), राष्ट्रीय महासचिव श्री एस. एस. टोनी (नई दिल्ली), कार्यक्रम संयोजक श्री भास्कर राव टोम्पे (अमरावती), उपाध्यक्ष राजेन्द्र नामदेव (गाडरवाड़ा), राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री प्रवीण खोडे (अमरावती), कोषाध्यक्ष-राजपाल रोहिला (हरियाणा), समाजसेवी श्री खेमराज नामा (पूना) सहित लगभग एक सौ से अधिक परिवारों की उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम संत नामदेव महाराज सांस्कृतिक सभागृह जी.एस. टोम्पे महाविद्यालय (चांदूर बाजार) अमरावती-महाराष्ट्र में भास्कर राव टोम्पे के सौजन्य से हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ।

- एस.एस.टोनी
महासचिव, नई दिल्ली
मो. 9650710281

❑❑

देवास : प्रथम डिजिटल वैवाहिकी परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह समारोह संपन्न

समाज के आयोजन में अभिनव पहल - बच्चों के लिए स्वीट्स कॉर्नर के साथ प्ले जोन बनाया

देवास। नामदेव छीपा समाज द्वारा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के उद्देश्य से सन् 1969 में आरम्भ सामूहिक विवाहों की श्रृंखला में देवप्रबोधिनी एकादशी-संत नामदेव जयंती पर 7 व 8 नवम्बर 2019 को देवास में नामदेव छीपा युवा परिषद मध्यप्रदेश और नामदेव छीपा समाज देवास के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय आदर्श सामूहिक विवाह एवं प्रथम डिजिटल युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न हुआ। शुभारंभ संत शिरोमणि नामदेव जी व माँ भवानी का पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहनलाल छीपा एवं मंचासीन अतिथियों का पूर्व महापौर (देवास) सुश्री रेखा वर्मा ने चंदनमाला व दुपट्टे से स्वागत किया। आयोजन समिति के सचिव सतीश बी नामदेव ने शाब्दिक वंदन-अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में बालक- बालिकाओं तथा खेल प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया, जिनमें विदेश तक परचम फहराने वाली मंदसौर की सृष्टि बघेरवाल तथा समाज के पुश्तैनी कार्य रंगाई-छपाई तथा ब्लॉक प्रिन्टिंग में श्री प्रदीप जडिया (उम्मेदपुरा -नीमच) का राष्ट्रपति पुरूस्कार के लिये चयन होने पर सम्मान किया गया। श्री नवनीत डोर (हाल निवासी अमेरिका) की ओर से 10 वीं और 12 वीं के प्रतिभावान् बालक बालिकाओं को उनकी माताजी श्रीमती शकुन्तला डोर के द्वारा पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभाओं को विनायक कम्प्युटर के श्री योगेन्द्र नामदेव (उज्जैन) की ओर से ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।

इस अवसर पर समाज की महिला मार्गदर्शक एवं देवास की पूर्व महापौर **सुश्री रेखा वर्मा** को अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मोहनलाल छीपा, महामंत्री मेजर जे.पी. वर्मा एवं श्री घनश्याम वर्मा, मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष जे.पी. धनोपिया, युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक सुदीप मेड़तवाल, युवा परिषद मध्यप्रदेश के अध्यक्ष सोहन जाचपुरे व देवास समाज अध्यक्ष महेन्द्र कुमार नईवाल द्वारा **समाज रत्न** की उपाधि से सम्मानित किया गया। स्वागत की मधुर बेला में उदयपुर से आए संगीत की दुनिया में उभरते सितारे गौरव मेड़तवाल का भी सम्मान किया गया। पिछले वर्ष की आदर्श सामूहिक विवाह प्रांतीय आयोजन समिति के संयोजक ललित कुंजीवाल व अध्यक्ष राजेन्द्र जसवाड़िया का भी सम्मान किया गया।

दिनांक 7 नवम्बर को आयोजित डिजिटल युवक-युवती परिचय सम्मेलन में मध्यप्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं राजस्थान से आए लगभग 400 युवक-युवतियों ने मंच पर आकर परिचय दिया। मंच पर जाने में संकोच करने वाले प्रतिभागियों ने आयोजन स्थल पर बनाये गये डिजिटल स्टूडियो से अपना परिचय दिया, जिसे बड़ी एल.ई.डी स्क्रीनों पर प्रदर्शित किया गया। आयोजन स्थल पर संत नामदेव के संदेशों व अभंगों की चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों के लिए यहां मिक्की-माउस तथा झूलों के साथ प्ले जोन बनाया

गया। प्रथम दिन रात्रि में आयोजित महिला संगीत में वर-वधु पक्षों के महिला-पुरूषों एवं बालक बालिकाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

सम्मेलन के दूसरे दिन 8 नवम्बर को भव्य शोभा यात्रा एवं निकासी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा में पीले परिधान में साफे बांधे दो हजार से अधिक महिला-पुरूष व बच्चे नाचते-गाते समूह के समूह में चल रहे थे। शोभा यात्रा में वर-वधुओं को घोड़ों तथा बग्गियों पर बिठाया गया। संत श्री रामजीवनदास जी त्यागी का रथ और नामदेव जी व राधाकृष्ण की मनोहर झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। जुलूस मार्ग में बीच-बीच में स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। आयोजन समिति की ओर से रंगबिरंगे फूलों की बारिस से लगातार स्वागत किया जाता रहा।

आशीर्वाद समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहनलाल छीपा ने अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा की योजनाओं और विभिन्न प्रकोष्ठों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाना है तो युवाओं तथा मातृशक्ति को आगे आना होगा। हमारा समाज भारत में सामूहिक विवाह का जन्मदाता रहा है। आज हम अपने इस उद्देश्य से विचलित हुए है। हमारा लक्ष्य था कि सामूहिक विवाह से जो बचत होगी वह समाज के परिवारों को शिक्षा, रोजगार व राजनैतिक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के काम आयेगी, लेकिन आज ऐसी सोच बन गई है कि सामूहिक विवाहों के माध्यम से हम गरीब लोगों की सेवा कर रहे हैं। डॉ. छीपा ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'आज से आप अपना नव जीवन प्रारंभ कर रहे हैं।' इसकी बहुत-बहुत बधाई। जो अभिभावक आज सास-ससुर बने हैं, उनसे आग्रह है कि ये बहुऐं अब आपकी बेटियां हैं। जिस तरह से आपने बेटों को पाला है, उसी तरह से आप इन्हें भी पालें। जिस प्रकार से प्रेम बढ़ें, जिस प्रकार इन दोनों का जीवन उज्जवल हो, ये दोनों प्रगति करें, इस तरह की आप इन्हें शुभकामना दें और जिन बेटियों की पढ़ाई अधूरी हो, उनकी पढ़ाई पूरी करवायें।

समारोह में मेजर जे.पी. वर्मा ने अपने उद्‌बोधन में भारत सरकार की योजनाओं विशेषकर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ को समाज में अपनाने का संदेश दिया। प्रांतीय नामदेव छीपा महासभा के अध्यक्ष जे. पी. धनोपिया ने उपस्थित मंचासीन अतिथियों व समाज बंधुओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि समाज के कार्यक्रम में इस तरह से एकरूपता दिखे, यह अच्छी बात है। श्री सोहन जांचपुरे ने कहा कि आष्टा व देवास के दोनों कार्यक्रम बहुत अच्छे हुए है, लेकिन मैं निवेदन करना चाहूंगा कि समाज का वजन बढ़ाना है तो कहीं ना कहीं हमें राजनैतिक क्षेत्र में भी अपनी भागीदारी करना होगी। हमारे समाजबंधु जो किसी भी पार्टी से संबंधित हो उनका हम सब मिलकर सहयोग करें। आगरा निवासी विशिष्ट अतिथि श्री विनयसिंह (एडवोकेट) ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए समिति के सदस्यों के उत्साहवर्धन में शायराना अंदाज में अपने भाव प्रस्तुत किए। आशीर्वाद समारोह में विशिष्ट अतिथि देवास सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी का भी स्वागत किया गया।

सामूहिक विवाह में सम्मिलित हुए 9 जोड़ो में गुजरात से भी एक वरपक्ष शामिल हुआ। पूर्व की तरह इस बार भी संपूर्ण परिसर में प्लास्टिक डिस्पोजल पर प्रतिबंध रहा। समाज के बच्चे व अन्य राज्यों से पधारे सक्रिय समाजबंधु तथा देवास महिला मण्डल अध्यक्ष

चतुर्थ पुण्यतिथि : 14 दिसम्बर 2018

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन

जन्म :
06-1-1944

वैकुण्ठवास :
14-12-2015

स्व. श्री कृष्ण कुमार जोशी
कोटा (राज.)

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम श्रद्धेय ! हम सभी परिवार जन परमपिता परमेश्वर से आपकी आत्मा को चिरशांति एवं चिरमुक्ति की कामना करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

शोकाकुल -

श्रीमती सरोज लता जोशी (धर्मपत्नी) एवं समस्त जोशी परिवार।

निवास : 3-च-10, विज्ञान नगर, कोटा (राज.)
Mob.: 9414936371

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन !

स्व. श्री मोहन लाल चिचोत्या

निवासी : कैथून, जिला कोटा (राज.)

निर्वाण तिथि : 15 जून 2019

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।

परम पूज्यनीय ! हम सभी परिवारजन आपको अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपिता परमेश्वर से आपकी पावन आत्मा को चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हैं। ॐ शांति !!

श्रद्धावनत –

मुरलीधर नामा–श्रीमती लीला नामा, शंभूदयाल नामा–श्रीमती मंजू नामा (पुत्र–पुत्रवधु), दिलीप नामा–श्रीमती टीना नामा, डॉ. उमा शंकर नामा–श्रीमती सुरभि नामा, महेन्द्र नामा–श्रीमती मनीषा नामा (पोत्र–पौत्रवधु), श्रीमती ममता–श्री अनुराग नामा, श्रीमती राधिका–श्री पवन नामा (पौत्री–दामाद), प्रियंका (पौत्री) एवं समस्त चिचोत्या परिवार, कैथून (जिला कोटा)

निवास : पोस्ट ऑफिस के पीछे, कैथून (जिला कोटा) राज.
मो.: 9928616760, 9529151073

कोटा : संत नामदेव आई.टी.आई. में हुआ ध्वजारोहण

कोटा। संत नामदेव आई.टी.आई. कोटा में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2020 को प्रातः ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री नामदेव समाज-समाज हितैषी सभा, कोटा के अध्यक्ष श्री एच.एल. नामा (भंवर) ने ध्वजारोहण किया।

इस मौके पर अपने उद्‌बोधन में उन्होंने हाड़ौती के समाज बन्धुओं से संगठित रह कर सामाजिक कार्यों को मिल जुल कर करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज में किसी प्रकार का वैमनस्य नहीं फैले, इसका हम सभी को ख्याल रखना होगा। इस अवसर पर महामंत्री श्री हंसराज नामा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में नामा बैंक के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी, नगर महासभा कोटा के अध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव, अन्य पदाधिकारी, समाजबन्धु, आई.टी.आई. के शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। प्राचार्य श्री अनुप श्रृंगी ने आभार व्यक्त किया।

❑❑

कविता धर्मेन्द्र वर्मा की पूरी टीम द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जलसंकट, संतुलित भोजन व शिक्षाप्रद संदेश तो दिये ही, साथ ही युवाओं ने भोजन झूंठा ना छोड़ने के अभियान में झूठे भोजन को स्वयं ग्रहण कर अन्न की बर्बादी को रोकने का संदेश भी दिया। इसके लिए श्री खेमराज नामा (पुणे), श्री संजय गंगवाल (कोटा), ओमप्रकाश पाण्डे, जितेन्द्र उज्जैनिया, गणेश रायथलिया, जीतू नामदेव, राजाजी गोठरवाल का मंच पर स्वागत किया गया।

आयोजन का बीड़ा उठाने वाले सतीश बी. नामदेव व मुख्य व्यवस्थापक श्री राजेश वर्मा के प्रेरणा स्त्रोत श्री महेन्द्र कुमार-श्रीमती गंगा वर्मा का मंचासीन अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। इस आयोजन में राजेन्द्र-श्रीमती वर्षा नामदेव (बेड़िया) ने तुलसी विवाह का पुण्य लाभ लिया। दो दिवसीय आयोजन में दोनों दिन सुबह स्वरूचि नाश्ता, तीनों समय स्वादिष्ट स्वरूचि भोजन तथा दिनभर चाय के स्टॉल की सुव्यवस्थाऐं की गई। प्रत्येक कार्यक्रम में देश के अलग-अलग राज्यों से 4-5 हजार समाजबंधु पधारें, जिनका आयोजन समिति ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। जय श्री विट्ठल, जय नामदेव।

- आशीष नामदेव, इन्दौर
-नारायण उज्जैनिया, खातिगांव

नोट : कृपया आयोजन के छाया चित्र रंगीन पृष्ठ पर देखें।

इन्दौर : प्रदेश स्तरीय बैकिंग सोसायटी के गठन का निर्णय
वरिष्ठ समाज सेवी श्री बालाराम आशर्मा का सम्मान

इन्दौर। नामदेव छीपा युवा परिषद मध्य प्रदेश की कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 29 दिसम्बर 2019 को श्री नामदेव विट्ठल मंदिर धर्मशाला भवन इंदौर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाज सेवी एवं संरक्षक श्री बालाराम आशर्मा ने की। बैठक में राष्ट्रीय महासभा के मंत्री एवं प्रांतीय महासभा के उपाध्यक्ष श्री मोहनलाल गोठरवाल सहित विभिन्न नगरों से पधारे पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। दीप प्रज्ज्वलन से बैठक का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात आत्म परिचय एवं शाब्दिक वंदन अभिनन्दन किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय महासभा के युवा प्रकोष्ठ में मध्यप्रदेश से मनोनीत सदस्यगण सर्वश्री रमेश नागर (इंदौर), दीपक उज्जैनिया (इटारसी) तथा ललित कुंजीवाल (अशोक नगर) के मनोनयन की करतल ध्वनि से पुष्टि की गई। बैठक में राष्ट्रीय महासभा तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ समाजसेवी तथा समाज के भीष्म पितामह **श्री बालाराम आशर्मा (इंदौर) को सम्मानित किया गया।**

बैठक में विगत 7-8 नवम्बर 2019 को देवास में सम्पन्न सामूहिक विवाह सम्मेलन की आयोजन समिति के सचिव श्री सतीश नामदेव ने सम्मेलन की आय-व्यय का लेखा प्रस्तुत किया, जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति द्वारा सम्मेलन में तन-मन -धन से निष्ठापूर्वक सहयोग करने वाले सहयोगी बन्धुओं तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं को 'सम्मान एवं आभार पत्र' प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बैठक में देवास की पूर्व महापौर सुश्री रेखा वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सम्मेलन में भोजन व्यवस्था तथा अन्य सभी व्यवस्थाओं को अच्छे से अच्छा बनाने का प्रयास किया गया, ताकि समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं असहाय परिवारों को भी अपने बेटे-बेटियों की शादियां करने में किसी प्रकार की हीन भावना महसूस न हो। उन्होंने कहा कि भविष्य

में भी हम सामूहिक विवाहों के आयोजनों को और अधिक बेहतर बनाने के प्रयास करते रहेंगे।

बैठक में प्रांतीय युवा परिषद के अध्यक्ष श्री सोहन जाचपुरे ने राष्ट्रीय एवं प्रातीय महासभाओं, प्रांतीय युवा परिषद के पदाधिकारियों तथा समाज बन्धुओं द्वारा विगत तीन वर्ष में उन्हें प्रदत्त सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्वेच्छा से त्याग पत्र प्रस्तुत कर दिया। प्रांतीय महासभा के उपाध्यक्ष श्री मोहन लाल गोठरवाल ने युवा परिषद के अध्वक्ष श्री सोहन जांचपुरे तथा उनकी पूरी टीम की सराहना करते हुए नये अध्यक्ष के मनोनयन तक कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की व्यवस्था दी। तत्पश्चात् युवा परिषद की कार्यकारिणी का पुनर्गठन हेतु अध्यक्ष पद के लिए नारायण उज्जैनिया, सचिव पद के लिए श्री आशीष नामदेव (इंदौर) तथा कोषाध्यक्ष पद हेतु श्री भविष्य कुमार नामदेव (आष्टा) के नाम प्रस्तावित हुए, जिनका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। शीघ्र ही प्रांतीय युवा परिषद की पूरी कार्यकारिणी गठित करने का अधिकार इन तीनों पदाधिकारियों को दिया गया।

बैठक में सचिव श्री आशीष नामदेव ने प्रस्ताव रखा कि पूर्व मलापौर सुश्री रेखा वर्मा के नेतृत्व में प्रदेश स्तरीय बैंकिंग सोसाइटी की स्थापना की जानी चाहिए, जो समाजकी महिलाओं तथा जरूरत युवाओं को हुनरमंद बनाने और उनको स्वरोजगार हेतु वित्तिय मदद करने में सहायक हो सके। इस प्रस्ताव का सर्वसम्मति से स्वागत किया गया तथा आगामी बैठक में सोसायटी की स्थापना सम्बन्धी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने एवं रंगाई-छपाई व सिलाई कला का प्रशिक्षण लेने के इच्छुक युवक-युवतियां की जिलेवार सूची युवा परिषदों से लेने का निर्णय लिया गया। सोसायटी की स्थापना के प्रस्ताव का सुश्री रेखा वर्मा ने भी समर्थन करते हुए कहा कि निश्चित रूप से बैंकिंग सोसायटी से समाज की महिलाओं तथा युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रदान करने में मदद मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य में समाज के बैंकिंग क्षेत्र में अनुभवी समाज बन्धुओं की सेवाऐं भी ली जा सकती हैं। अन्त में श्री सतीश नामदेव ने आभार व्यक्त किया। बैठक का संचालन प्रांतीय युवा सचिव श्री आशीष नामदेव ने किया।

– आशीष नामदेव (उजलपगा)
इन्दौर, मो. 9424009940

❑❑

टोंक : छीपा सप्तमी पर प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

टोंक। श्री नामदेव छीपा समाज हितकारिणी समिति टोंक के तत्वावधान में 23 अगस्त 2019 को छीपा सप्तमी के शुभ अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामूहिक गोठ का आयोजन नामदेव छीपा समाज भवन (कुण्डियों के बालाजी) पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासभा के अध्यक्ष डॉ. मोहनलाल छीपा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती आशा महावीर नामा (अध्यक्ष नगरपालिका मालपुरा) व श्री मोहनलाल वर्मा (रिटायर्ड आर.ए.एस, कोटा) थे। अध्यक्षता राज. प्रान्तीय महासभा के अध्यक्ष श्री अशोक गोठरवाल ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा श्री विट्ठल नामदेव जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ। तत्पश्चात समिति के सदस्यों, नवयुवक मण्डल व समाज बन्धुओं द्वारा अतिथियों को साफा बन्धवाकर स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। अन्य जिलों से पधारे हुए जिलाध्यक्षों एवं पदाधिकारियों का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया। तत्पश्चात् हितकारिणी समिति के महामंत्री श्री मनीष नामा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें समिति के कार्यकलापों, भामाशाहों एवं सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीति मृत्युभोज के दुष्प्रभावों से बचने की अपील भी की।

प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए इस वर्ष माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक वर्ग में 75 प्रतिशत तथा स्नातक, अधिस्नातक एवं अन्य डिग्री कोर्सेज में 65 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक का निर्धारण किया गया था। तत्पश्चात माध्यमिक वर्ग में - निखिल, युनिता, दीपक, पल्लवी, रमन, जतिन, वेदिका, पुलकित एवं मानसी को उच्च माध्यमिक वर्ग में राजकुमार, दीपेश, लखन, अन्जलि, खुशबू, अन्जलि, वैदेही, कनिष्का एवं विष्णु को, स्नातक वर्ग में दीपिका, प्रियंका, लक्ष्मी को एवं अन्य डिग्री कोर्सेज में शुभम्, प्रीतम, भावना, प्रिया, हेमलता, हैप्पी, उर्मिला व गरिमा को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के नवनियुक्त कर्मचारियों में गायत्री, सम्पत, गौरव, प्रीति, मीनाक्षी, वर्षा, गरिमा, ओम प्रकाश व ललित सहित 41 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती कलावती देवी स्मृति पुरस्कार एवं किरण बाला अमरवाल दूनी स्मृति पुरस्कार भी प्रदान किये गये। प्रतिभा सम्मान समारोह की अगली कड़ी में जयपुर शहर हितकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री दिलीप छीपा द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली पांच प्रतिभाओं को 1100-1100 रूपये की पुरस्कार राशि भेंट की गई।

प्रतिभाओं का सम्मान के बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मोहन लाल छीपा ने सम्बोधित करते हुए शिक्षा एवं राजनैतिक क्षेत्र में अहम् योगदान हेतु युवाओं को आगे आने की अपील की। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री अशोक गोठरवाल ने समाज को संगठित करने की आवश्यकता पर बल दिया। तत्पश्चात बारी-बारी से सभी अतिथियों श्री महावीर नामा, श्री कल्याण मल नामा (टोंक-जिला अध्यक्ष) श्री मोहन

लाल वर्मा ने भी संबोधित किया। श्री कल्याणमल नामा ने 5100 रूपये, श्री बनवारी लाल नुवाल (जिलाध्यक्ष सवाई माधोपुर) ने 2100 रूपये तथा श्री मोहनलाल वर्मा (कोटा) ने भवन निर्माण हेतु 5100 रूपये प्रतिवर्ष देने की घोषणाऐं की। मुख्य अतिथि डॉ. मोहन लाल छीपा ने हितकारिणी समिति टोंक को शिक्षा कोष हेतु 5000 रूपये का चेक भेंट किया। जिला हितकारिणी समिति टोंक द्वारा अपने भामाशाहों श्री बाबूलाल, डॉ. जे सी गहलोत, डॉ. श्री बी.एल. नामा, श्री दिलीप छीपा एवं श्री चिरंजी लाल छीपा (शिवाड) को वाटर कूलर भेंट करने पर सम्मानित किया गया। श्री सुरेन्द्र नामा (उपाध्यक्ष) ने मंच संचालन किया।

- मनीष नामा

❑❑ जिला महामंत्री, टोंक

नोट : कृपया आयोजन के छाया चित्र रंगीन पृष्ठ पर देखें।

श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका में विज्ञापन सहयोग का आग्रह

महोदय, अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा की एक मात्र त्रैमासिक पत्रिका 'श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका' में विज्ञापन के माध्यम से आप अपने उत्पाद, सेवाओं, उपलब्धियों, संदेशों व भावनाओं को समाज बंधुओं तक आसानी से पहुंचा सकते हैं। इससे न केवल आपके उत्पादों, सेवाओं, उपलब्धियों, संदेशों व भावनाओं का प्रचार-प्रसार होता है, बल्कि समाज की एक मात्र पत्रिका को निरन्तर चालू रखने हेतु आपकी तरफ से प्रेरणादायक सहयोग भी मिलता है।

पत्रिका में विज्ञापन द्वारा आप अपने व्यवसाय, बधाई, संदेश, शुभकामनाएं, उपलब्धियों की जानकारी, पद, सम्मान, परिणय-बंधन पर शुभाशीष, विवाह योग्य युवक-युवतियों की जानकारी परिजन के स्वर्गवास पर श्रृद्धांजलि आदि की जानकारी प्रदान कर सकते हैं। विज्ञापन का प्रारूप ई-मेल v.namdevpatrika@gmail.com अथवा वाट्सअप मोबाइल 9413364741 पर भेजें। श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका का बैंक खाता संख्या 08370100003069 बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटा की झालावाड़ रोड़ स्थित शाखा में खुला हुआ है, जो ऑनलाइन है। इस बैंक शाखा का IFSC कोड BARB0KOTRAJ है।

कोई भी विज्ञापनदाता विज्ञापन से संबंधित राशि ड्राफ्ट से भेजने की बजाय बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटा की झालावाड़ रोड़ स्थित शाखा में जमा करवा करते हैं। पत्रिका खाते में जमा राशि की बैंक स्लिप ई-मेल करें अथवा वाट्सअप करें ताकि रसीद प्रेषित की जा सके। ड्राफ्ट भी श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका **कोटा** के नाम से ही संबोधित किए जाएं। कृपया चैक नहीं भिजवाए।

❖ पत्रिका की विज्ञापन दर ❖

● अन्तिम कवर (बाहर-बहुरंगी)	5000/-
● अन्तिम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
● प्रथम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
● वैवाहिकी पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	3000/-
● सामान्य पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	2500/-
● सामान्य आधा पृष्ठ (बहुरंगी)	1500/-
● सामान्य पूरा पृष्ठ B/W	1000/-
● सामान्य आधा पृष्ठ B/W	500/-

-घनश्याम वर्मा

प्रधान संपादक, मो. 9413364741

शोक समाचार

सागर (म.प्र.) निवासी वरिष्ठ समाजसेवी श्री चन्द्रपाल सिंह ठाकुर का असामयिक देवलोक गमन दिनांक 24-11-2019 को हो गया है। श्री सिंह अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा तथा मध्यप्रदेश प्रांतीय छीपा महासभा के उपाध्यक्ष पद थे। सागर में आप कई सामाजिक एवं वाणिज्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध थे। समर्पित समाज सेवी श्री चन्द्रपाल सिंह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़कर गये है। ओम शांति!

टोंक (राज.) निवासी वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. जे.सी. गहलोत का असामयिक बैकुण्ठवास दिनांक 22 नवम्बर 2019 को हो गया है। सेवानिवृत्त प्रमुख चिकित्साधिकारी (टोंक) डॉ. गहलोत नामदेव छीपा समाज जिला टोंक के संरक्षक थे। आप कई सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक एवं चिकित्सा क्षेत्र की कई संस्थाओं से सम्बद्ध थे। आपको उल्लेखनीय समाज सेवाओं के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर कई सम्मान प्राप्त हो चुके थे। डॉ. गहलोत अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़कर गये हैं। ओम शांति!

भीलवाड़ा (राज.) निवासी वरिष्ठ समाज सेवी श्रीमान भंवरलाल जी जेठानिया अब हमारे बीच नहीं रहे। श्री जेठानिया का असामयिक गोलोकवास दिनांक 24 दिसम्बर 2019 को पुर-भीलवाड़ा में हो गया है। आप लम्बे अर्से तक मेवाड़ महासभा के अध्यक्ष एवं महामंत्री रहे। श्री जेठानिया अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़कर गये हैं। ओम शांति!

पत्रिका के सदस्य महानुभावों हेतु आवश्यक सूचना

- पत्रिका के जिन सदस्य महानुभावाओं का स्वर्गवास हो गया है, उनकी सदस्यता स्वत: ही समाप्त हो चुकी है।
- अत: ऐसे सदस्यों के परिवारजनों से सदस्यता का नवीनीकरण करवाने हेतु इस संदेश के माध्यम से हमारा आग्रह है।
- जो महानुभाव अभी तक पत्रिका के सदस्य नहीं हैं, वे सदस्यता ग्रहण करने का कष्ट करें।
- जिन सदस्यों को लम्बे समय से पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है। वे हमें फोन से अवगत कराकर वस्तुस्थिति ज्ञात कर सकते है।
- पत्रिका के सदस्यगण हमें अपना मोबाइल नं. उपलब्ध करावें। विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क करें।

-प्रधान सम्पादक, मो. 9413364741

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन !

जन्मतिथि :
11-3-1948

बैकुण्ठवास:
25-11-2019

स्व. श्री चन्द्रपाल सिंह ठाकुर

S/o स्व.श्री सत्यपाल सिंह ठाकुर-श्रीमती पद्मकंवर, सागर

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम पूज्यनीय ! हम सभी परिवारजन आपको अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपिता परमेश्वर से आपकी पावन आत्मा को चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हैं। ॐ शांति !!

श्रद्धावनत -

श्रीमती मंजुला (धर्मपत्नी), उदयपाल सिंह-श्रीमती ऋचा (पुत्र-पुत्रवधु), कृष्णपाल सिंह-श्रीमती मृदुला, इन्द्रपाल सिंह-श्रीमती मनिला, बृजपाल सिंह-श्रीमती मंगला (भ्राता-वधु), श्वेता-श्री गोपाल उदयवाल, चारू-श्री विशाल राजपूत, निधि-श्री निखिल सामरिया, भावना-श्री धीरज प्रसाद, स्वाति-श्री अमितेष मंडावरा (पुत्री-दामाद), धैर्य, रियांस, अथर्व (पौत्र), ऋषिपाल, श्रीमती प्रीत, रितेन्द्र-श्रीमती पूजा, निशीपाल-श्रीमती निधि, नितेन्द्र-श्रीमती पायल, बृजेन्द्र (भतीजा-बहु), प्रेमनारायण, डॉ. ओ.पी. वर्मा-श्रीमती उषा, प्रदीप लाड़ीवाल-श्रीमती निशा, राजेश आर्य-श्रीमती रजनी, टीकाराम-श्रीमती जागृति सिप्पी, विजय मालीवाल-श्रीमती नीलम (बहिनोई-बहिन) एवं समस्त जगरवाल परिवार।

प्रतिष्ठान

मै. सत्यपाल बस सर्विस, सागर

मै. पी.एस. सेल्स कारपोरेशन, सागर

मै. सत्यपाल चन्द्रपाल एण्ड कंपनी
(भारत पेट्रोलियम), मकरोनिया, सागर

मै. सत्यपाल सिंह ठाकुर एण्ड कंपनी
(भारत पेट्रोलियम) लोहदरा, सागर

निवास : सत्य विजय भवन, भगवान गंज, सागर (म.प्र.)
मो.: 9425170929, 9589062410, 9826412453

News Paper Registration No.: 38302/83
Govt. of India (New Delhi)

Guardian Membership Rs. 1001/-
Life Membership Rs. 501/-
Each copy 19/-

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐं

निशांत भारतीय

(डिग्गीवाल)

DOB: 09-04-1992
B.Tech & M.Tech, IIT Kanpur (Chemical Er.) FRM (USA)
Consultant - North West Bank, Bangolore

को

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

श्री नन्दलाल दौसाया-गीता बाई, श्री मोहनलाल डिग्गीवाल (दादा-दादी)
श्री रामपाल सिंह दूनीवाल (जयपुर) (नाना)
श्री राकेश भारतीय (मुख्य लेखाधिकारी)-मधुमति भारतीय (पिता-माता)
डॉ. भावेश भारतीय, सिंगापुर (भ्राता)
श्री त्रिलोक राय (बैंक मैनेजर)-उमा राय (चाचा-चाची)
कुशाग्र राय, B.Tech & M.Tech (Chemical) IIT Bombay Eccella Company Pune (भ्राता)
हर्षिता राय, M.B.B.S. IV Yr धवनगिरि (कर्नाटक) (बहिन)
श्री जयपाल-हेमा दूनीवाल (मामा-मामी)
रेणुका (MCA) (बहिन), हिमांशु दूनीवाल (B.Tech Ele. III ye. IIT Mumbai) (भाई)
श्री महेन्द्र नामा - सरोज, श्री गोविन्द सिंह छीपा-बीना (मौसाजी-मौसीजी)
लक्ष्य, दक्षिता, चित्रांगना, मन्जू (भाई-बहिन)
श्री हरिओम-ममता सरथलिया (फूफाजी-बुआजी)

निवास : 3/114, गणेश तालाब, दादाबाड़ी, कोटा (राज.)

मो. 9636535785, 6375275381, E-mail : bhartiarakesh@gmail.com

BOOK PACKET CONTAINING PRINTED MATTER

प्रेषक :

श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका
संत नामदेव आई.टी.आई.,
महावीर नगर विस्तार योजना,
कोटा-324009 (राज.)
☎ : 0744-2472186, M.: 9413364741
(मुख्यालय : अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा)

श्रीमान्

□□□□□□